वर्ष : 33 ▸ अंक : 147 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 12 अगस्त 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सुरक्षा में चूक : हाईवे पर पहुंच गए उपमुख्यमंत्री, सिक्योरिटी में तैनात पुलिस गायब

दोपहर संवाददाता | अकोला

महाराष्ट्र का सियासी माहौल बेहद तनावपूर्ण होता जा रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के काफिले पर राज ठाकरे सुपारी फेंके जाने के बाद उद्धव के काफीले पर नारियल और गोबर फेंके जाने की घटना शनिवार को घट चुकी है। लेकिन राज्य का सुरक्षा तंत्र अभी भी उदासीन बना हुआ है। ऐसा अकोला में उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सुरक्षा के मामले में देखने को मिला। रविवार को फडणवीस की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है।

अकोला में भाजपा की जिला विस्तारित कार्यकारिणी की आमसभा आयोजित की गई थी। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में इस दीक्षांत समारोह का आयोजन डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत कक्ष में किया गया था। इसमें जिले के पांच हजार से अधिक पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को लगा कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद फडणवीस कृषि विश्वविद्यालय के अतिथिगृह में जाएंगे। जबकि फडणवीस नागपुर जाने के लिए सिवनी एयरपोर्ट की ओर रवाना हो गए। उनका काफिला महामार्ग पर पहुंच गया लेकिन पुनिल की टीम और एंबुलेंस कृषि विश्वविद्यालय में ही रह गए थे। जब इसका खुलासा हुआ तो हड़कंप मच गया।

विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी संग्राम शुरू

महाराष्ट्र में ठाकरे बंधुवों में ठनी!

‘सुपारी’ का जवाब ‘गोबर’ और ‘चूड़ी’ से

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, उसी के साथ दिन-ब-दिन सियासी माहौल और गरमाता जा रहा है। इस बीच शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच घमासान मच गया है। मुंबई से सटे ठाणे शहर में शनिवार रात में शिवसेना ठाकरे समूह के प्रमुख उद्धव ठाकरे की मौजूदगी में एक सभा आयोजित की गई थी। इस दौरान मनसे कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के काफिले पर गोबर और चूड़ियां फेंकी। इसके चलते रातों-रात पूरे राज्य में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। शिवसेना (यूबीटी) ने राज ठाकरे पर हमला बोला और उनकी पार्टी को सुपारीबाज बताया। कई जगहों पर शिवसेना (UBT) कार्यकताओं ने मनसे और राज ठाकरे के पोस्टरों को फाड़ा है।

क्यों मचा संग्राम?

मालूम हो कि 9 अगस्त को महाराष्ट्र के मराठवाडा के बीड जिले में जब राज ठाकरे का काफिला गुजर रहा था तब कुछ उद्धव गुट के कार्यकर्ताओं ने उनके वाहनों पर सुपारी फेंकी थी। आरोप है कि ऐसा करने वाले शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता थे। खबर है कि इस संबंध में शिवसेना (यूबीटी) के चार कार्यकर्ताओं को पकड़ा गया है।

मनसे ने उद्धव के शिवसैनिकों को दी घर में घुसकर पीटने की धमकी

जिसके बाद मनसे कार्यकर्ताओं ने पलटवार में उद्धव ठाकरे के काफिले को निशाना बनाया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उद्धव ठाकरे पर हुए हमले की खुलकर जिम्मेदारी ली है। मनसे के ठाणे-पालघर के जिलाध्यक्ष अविनाश जाधव ने कहा, कुछ शिवसैनिकों ने बीड में राज ठाकरे की गाड़ी के सामने आंदोलन करने की कोशिश की थी। उसी का मनसे ने जवाब दिया है। मनसे कार्यकर्ताओं ने 15 से अधिक गाड़ियों पर गोबर फेंका है। अगर कोई शिवसैनिक राज ठाकरे के खिलाफ कदम उठाएगा तो उनको ऐसा ही करारा जवाब दिया जाएगा और उन्हें घर में घुसकर पीटेंगे।

एक्शन का रिएक्शन : सीएम एकनाथ शिंदे

घटना पर सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। शिवसेना प्रमुख शिंदे ने कहा, असली शुरुआत तो राज ठाकरे के दौरे से हुई थी। जब मराठवाडा में राज ठाकरे के काफिले को रोका गया। उसी एक्शन का यह रिएक्शन है ये लेकिन ऐसे प्रदर्शन की किसी को उम्मीद नहीं थी। इससे पहले शनिवार रात में जब ठाकरे शिंदे के गढ़ ठाणे शहर में स्थित गडकरी ऑडिटोरियम में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक बैठक के लिए जा रहे थे तो मनसे के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और उनके काफिले पर चूड़ी, टमाटर और गोबर फेंका। हालांकि कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान ठाकरे ने इस घटना का कोई उल्लेख नहीं किया। पुलिस ने इस घटना को लेकर केस दर्ज कर लिया है और 20 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है।

17 अगस्त को ‘लाडकी बहिन’ की पहली किस्त खाते में कब होगी जमा

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया खुलासा

दोपहर संवाददाता | अकोला

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को ‘मुख्यमंत्री माझी लडकी बहिन योजना’ (लाडली बहन) को लेकर बड़ा खुलासा कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार जुलाई और इस महीने की किस्तें लाभार्थियों के खातों में 17 अगस्त को जमा करेगी। फडणवीस ने अकोला में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस नयी योजना को राज्य में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है और अब तक 1.5 करोड़ महिलाओं ने इसके लिए पंजीकरण कराया है।

उद्धव ठाकरे ने अमित शाह को करार दिया था 'अहमद शाह अब्दाली'

‘मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहन’ योजना के तहत 21 से 60 वर्ष की ऐसी विवाहित, तलाकशुदा और निराश्रित महिलाएं जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 2 .5 लाख रुपये से अधिक नहीं है, उन्हें प्रति माह 1,500 रुपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि जुलाई और अगस्त की किस्तें 17 अगस्त को लाभार्थियों के खातों में जमा करा दी जाएंगी। उपमुख्यमंत्री के अनुसार, सरकार ‘मुख्यमंत्री युवा प्रशिक्षण योजना’ के तहत राज्य में 10 लाख बेरोजगार युवाओं को छह महीने के लिए ‘अप्रेंटिसशिप’ प्रदान करने की दिशा में काम कर रही है।

इस योजना से महायुति को चुनाव जितने में होगा बड़ा फायदा

गौरतलब हो कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए महायुति सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार की तर्ज पर 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' की शुरुआत की है। सरकार ने ऑनलाइन द्वारा मुफ्त आवेदन करके महिलाओं और लड़कियों को इसका लाभ (प्रतिमाह 1500) उठाने की अपील की है। माना जा रहा है कि इस योजना से महायुति को चुनाव जितने में बड़ा फायदा होगा। वहीं, इस योजना को लेकर विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) महायुति सरकार की आलोचना कर रही है। विपक्ष का कहना है कि यह योजना सिर्फ विधानसभा चुनाव में वोट के लिए शुरू की गई है। चुनाव के बाद यह योजना बंद की जाएगी। सरकार वोट पाने के लिए सरकारी पैसों का इस्तेमाल कर रही है।

प्राथमिक शिक्षक सोसायटी में भ्रष्टाचार, वसूले जाएंगे 30 लाख रुपए

गडचिरोली। गडचिरोली जिले की धानोरा तहसील में प्राथमिक शिक्षक सोसायटी मर्या. र. नं. 701 कार्यरत है। यहां के सोसायटी में भूखंड खरीदी व निर्माणकार्य को लेकर की गई जांच में अनियमितता पाएं जाने पर तत्कालीन संचालक मंडल को जिम्मेदार मानते हुए पदाधिकारियों से 30 लाख 78 हजार की वसूली करने का आदेश प्राधिकारी जांच अधिकारी एड. रामेश्वर खोंड ने दिया है।

न्यूज ब्रीफ

अनंतनाग के बाद किश्तवाड़ में एनकाउंटर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सुदूर जंगल में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच रविवार तड़के मुठभेड़ हुई। रविवार को आतंकवादियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद जब पुलिस ने सेना और अर्धसैनिक बलों की मदद से नौनट्टा, नागेनी पेयास और आसपास के इलाकों में तलाश अभियान शुरू किया, तो दोनों पक्षों के बीच थोड़ी देर के लिए मुठभेड़ छिड़ गई। स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और सुरक्षा बल इलाके में आतंकवादियों की तलाश जारी रखे हुए हैं। मामले पर सेना के अधिकारियों के मुताबिक, इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेज दिए गए हैं और आतंकवादियों की तलाश के लिए व्यापक अभियान जारी है। यह मुठभेड़ दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग जंगलों में भीषण गोलीबारी में सेना के दो जवानों-हवलदार दीपक कुमार यादव और लांस नायक प्रवीण शर्मा के मारे जाने तथा दो नागरिकों सहित छह अन्य लोगों के बीते शनिवार को घायल होने के बाद हुई है।

SEBI चीफ ने अब तक क्यों नहीं दिया इस्तीफा घाटे का कौन जिम्मेदार?

नई दिल्ली। अमेरिका की शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट को लेकर राहुल गांधी ने सरकार को आड़े हाथों लिया है। राहुल गांधी ने एक वीडियो शेयर कर पूछा है कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद यदि निवेशक अपनी गाढ़ी कमाई खो देते हैं, तो किसे जवाबदेह किसे ठहराया जाएगा? राहुल गांधी इस मामले में राहुल गांधी ने पीएम मोदी, सेबी अध्यक्ष और उद्योगपति गौतम अडानी को भी लपेटा है।

राष्ट्रपति मुर्मू को मिला तिमोर लेस्ते का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों तीन देशों की यात्रा पर हैं। वह अपने यात्रा के अंतिम चरण में तिमोर लेस्ते हैं। यहां उन्हें तिमोर लेस्ते देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि यह देश के लोगों के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को तिमोर-लेस्ते के ग्रैंड कॉलर से सम्मानित किया गया, और कहा कि यह दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों और आपसी सम्मान को दर्शाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को शनिवार को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, तिमोर-लेस्ते के ग्रैंड कॉलर से सम्मानित किया गया।

भाजपा के शासनकाल में किसानों की आत्महत्या के मामले दोगुने हुए : पवार

दोपहर संवाददाता | सोलापुर

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने किसानों की आय दोगुनी करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आश्वासन पर रविवार को कटाक्ष करते हुए दावा किया कि भाजपा के शासनकाल में किसानों के आत्महत्या करने के मामले दोगुने हुए हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता पवार ने महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के बार्शी कस्बे में

एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि किसानों को उनकी उपज का पर्याप्त मूल्य नहीं मिल रहा है और वे कर्ज में डूब गए हैं।

'हमें सरकार बदलनी होगी'

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ‘प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय किसानों के आत्महत्या करने के मामले दोगुने हो गए हैं।’ राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख ने कहा कि समय की मांग है कि राज्य में सरकार बदली जाए और ऐसी सरकार स्थापित की जाए जो किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों की रक्षा करे। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा, ‘केंद्र और राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों ने किसानों की मुश्किलें कम करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए अपनी सत्ता का इस्तेमाल नहीं किया है। आप देखेंगे कि युवा रोजगार की कमी के कारण परेशान हैं। हमें सरकार बदलनी होगी।’ पवार ने कहा कि भाजपा अपने नारे ‘400 पार’ के बावजूद लोकसभा चुनाव में 300 सीटें भी नहीं जीत सकी। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, ‘आंध्र प्रदेश और बिहार की पार्टियों की मदद से वह सरकार बना सकती है। समय की मांग है कि किसानों पर कर्ज का बोझ कम किया जाए, इसलिए कर्ज माफ किया जाना चाहिए।’

अयोध्या राम मंदिर में भक्तों ने दिल खोलकर किया दान, तीन साल में बना दिया रिकॉर्ड

एजेंसी | अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को करीब 6 महीने से थोड़ा ही ज्यादा वक्त बीता है लेकिन एक रिकॉर्ड बनता जा रहा है। रामलला के दरबार में रामभक्तों ने खुले मन से दर्शन के लिए पहुंचे तो दिल खोलकर दान किया है। यही वजह है कि राम मंदिर को अब तक 55 अरब से अधिक रुपए दान में मिल चुके हैं। इतना ही नहीं इस रकम में विदेशों से मिला चंदा भी शामिल है। 5 अगस्त 2020 को भूमि पूजन और 2021 में मंदिर निर्माण से पहले राम मंदिर के लिए निधि समर्पण अभियान चलाया गया था। इस अभियान के चलते श्री राम जन्म भूमि तीर्क्ष क्षेत्र ट्रस्ट को 3 हजार 5 सौ करोड़ रुपए का दान मिला था। वहीं पिछले तीन सालों में मंदिर ट्रस्ट को 2 हजार करोड़ रुपए मिले हैं। वहीं प्राण प्रतिष्ठा के बाद इसमें बढ़ोतरी देखने को मिली है।

विदेशों से मिले 11 करोड़ रुपए

राम मंदिर को मिले 55 अरब रुपए के दान में विदेशों से भी योगदान दिया गया है। इसमें करीब 11 करोड़ रूपए विदेशों से चंदे के रूप में प्राप्त हुआ है। विदेशी चंदे में सबसे ज्यादा दान नेपाल से मिला है। जिस तरह से राममंदिर में दान मिल रहा है और इसमें बढ़ोतरी हो रही है उसके मद्देनजर कहा यह जा रहा है कि आने वाले समय में यह रिकॉर्ड बना सकता है।

22 जनवरी को हुई थी प्राण प्रतिष्ठा

आपको बता दें कि साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 05 अगस्त 2020 को भूमि पूजन के साथ मंदिर निर्माण का कार्य शुरू हुआ था। जबकि गर्भ गृह यानी मंदिर का प्रथम तल बनने के बाद 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में देश विदेश की सभी जानी मानी हस्तियों के आमंत्रित किया गया था। प्राण प्रतिष्ठा के बाद 23 जनवरी से मंदिर आम श्रृद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिया गया था। तब से लगातार भारी संख्या में श्रृद्धालु रामलला के दर्शन के पहुंच रहे हैं।

भारतीय सेना और BSF ने ध्वस्त किया कुकी उग्रवादियों के बंकर, CM ने दी बधाई

इंफाल। मणिपुर के बंगलोन में सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कुकी उग्रवादियों के बंकरों को ध्वस्त कर दिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने बंकरों को ध्वस्त करने पर सेना और बीएसएफ को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना और बीएसएफ का यह अभियान राज्य में स्थिरता और शांति कायम रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें अपने सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करना चाहिए और एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित भविष्य के लिए प्रयास करना चाहिए। बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हमारे राज्य में खतरों को खत्म करने और स्थिरता बनाए रखने की प्रतिबद्धता के रूप में, सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बंगलोन में कुकी आतंकवादियों के बंकरों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया है। आइए हम अपने सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करें क्योंकि हम सभी के लिए शांतिपूर्ण और सुरक्षित भविष्य के लिए प्रयास करते हैं।'

PM मोदी ने जारी की 109 उन्नत बीजों की किस्में

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर), पूसा में 109 उन्नत बीजों की किस्में जारी की। पीएम मोदी ने इन नई फसल किस्मों के विकास के लिए वैज्ञानिकों की सराहना की। उन्होंने किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करते हुए कृषि में मूल्य संवर्धन के महत्व पर जोर दिया। किसानों ने कहा कि ये नई किस्में उनके लिए बहुत लाभदायक होंगी, क्योंकि वे उनके खर्च को कम करेंगी और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने मिलेट्स के महत्व पर भी चर्चा की और बताया कि लोग पौष्टिक भोजन की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती के लाभों और जैविक खाद्य की बढ़ती मांग पर भी चर्चा की।

मां बगलामुखी और नीमकरोली बाबा के मंदिर का शिलान्यास संपन्न

दोपहर संवाददाता | बीजाना

सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ, बिजाना शाजापुर (म. प्र.) में माता बगलामुखी व नीमकरोली बाबा के पूर्ण रूप से पत्थर से निर्माणाधीन मंदिर के गर्भगृह का प्रथम शिलास्थापना महोत्सव शनिवार को संपन्न हुआ। मंदिर के प्रतिस्थापक बिजाना पीठ के पीठाधीश्वर पंडित कैलाश चंद्र शर्मा ने सभी भक्त जनों का अभिनंदन किया। परम पूज्य स्वामी श्री लोकेशानंदजी महाराज के द्वारा सभी पूजाएं संपन्न हुई। पूजा के बाद भक्तों ने महाराज का दर्शन एवम सत्संग का लाभ लेकर पूज्य गुरुदेव जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।
मंदिर के ट्रस्टी शैलेंद्र पटेल ने बताया कि यह मंदिर एक वर्ष में पूर्णतया तैयार हो जाएगा। इस दौरान पचोर सांसद रोडमल नागर और शाजापुर के विधायक अरुण भिमावत ने भी आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन नारायण पटेल ने किया। स्वागत शैलेंद्र पटेल ने किया। इस कार्यक्रम में कैनेडा, जर्मनी, न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया, टाउस व भारत के विभिन्न हिस्सों से हजारों की संख्या में लोग ऑनलाइन जुड़े।

मोबाइल की दुकान में चोरी के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

8 लाख कीमत के 29 मोबाइल फोन जब्त

▸▸ फल विक्रेता बनकर करते थे चोरी

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी तालुका के कोनगांव में एक मोबाइल दुकान की पिछली दीवार तोड़कर चोरी करने के मामले में कोनगांव पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 8 लाख 13 हजार रुपये कीमत के 29 मोबाइल फोन बरामद किए । कोनगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अतुल अदुरकर ने पत्रकार परिषद में बताया कि 27 जुलाई को कोनगांव में एस कलेक्शन मोबाइल दुकान की पिछली दीवार तोड़कर दुकान में घुसे चोरों ने दुकान से 29 मोबाइल फोन चुरा लिए। इस मामले में, सहायक पुलिस निरीक्षक वैभव चुंबले के नेतृत्व में पुलिस कांस्टेबल घोडसारे, गोर्ले, पाटिल, पाटिल, वक्से, गायकवाड, सालुंखे, खडसारे, पाटिल की एक टीम ने भिवंडी और कल्याण डोंबिवली आदि के 150 सीसीटीवी की जांच की।इस तरह की जांच में हुए खुलासे के बाद सबसे पहले पुलिस टीम ने 26 साल के इस्माइल नसरुद्दीन शेख को गिरफ्तार किया। पूछताछ और पुलिसिया जांच करने पर पता चला कि तीन अन्य चोर चोरी का माल लेकर इंदापुर, पुणे भाग गए। इसके बाद पुलिस टीम ने पुणे के इंदापुर से तीन लोगों मोहिउद्दीन नजीर शेख उर्फ मुया (44), अब्दुल मजीद हसन शेख उर्फ मुल्ला (40), इस्माइल नसीरुद्दीन शेख (26) को गिरफ्तार किया। उक्त चोरों ने बताया कि उसने चोरी किए गए सभी मोबाइल फोन नवी मुंबई में अपनी बहन के घर पर रखे थे और वहां से सारा सामान जब्त कर लिया। जांच के दौरान पता चला कि ये चारों आरोपी मूल रूप से झारखंड के रहने वाले हैं और कल्याण डोंबिवली इलाके में फल बेचने वाले के रूप में घूमते थे। इस बीच, चोरी की जगह की टोह लेने पर जांच में पता चला कि रात में चोरी की गई है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अतुल अदुरकर ने पत्रकारों को बताया कि इन चारों लोगों का पिछला इतिहास चोरी का है। कोनगांव पुलिस ने इन चारों आरोपियों को अदालत पेश किया, कोर्ट ने सभी आरोपियों को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

स्वर्गीय नाना मित्र मंडल गणेश उत्सव के पंडाल का भूमि पूजन संपन्न

■ इस वर्ष नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाने का हुआ निर्णय

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी शहर के प्रसिद्ध स्वर्गीय नाना मित्र मंडल, चंदन बाग, कामतघर में मंडल के अध्यक्ष साईं नाथ पवार के हाथों गणेशसोत्सव पंडाल के निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के जेष्ठ नगरसेवक निलेश चौधरी, युवा नेता विराज पवार, पूर्व नगरसेवक हनुमान चौधरी, राकांपा नेता प्रवीण पाटिल, भाजपा महासचिव विशाल पाठारे , कमल थानवी, नितेश एंकर,महादेव गवहाने,पी एन पाटिल, संभाजी खोपडे,नितिन खोपडे,तुलसीदास पाटिल,मयूर बामणे ,संजय प्रजापति, गुड्डू सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। स्वर्गीय पंडित नानामित्र मंडल द्वारा भिवंडी शहर के चंदन बाग परिसर में पिछले 34 वर्षों से सार्वजनिक गणेशोत्सव का आयोजन होते आ रहा है। मंडल हर वर्ष देश के अलग-अलग मंदिरों की झांकी बनाकर स्वर्गीय पंडित नाना मित्रमंडल झांकी का अवलोकन करने का अवसर देती है, साथ ही यहां की झांकी सर्वधर्म समभाव एकता का प्रतीक है। इस वर्ष स्वर्गीय पंडित नानामित्र मंडल 35 वे वर्ष में पदार्पण कर रहा है। इस वर्ष नेपाल के प्रसिद्ध व पवित्र भगवान पशुपति नाथ के मंदिर की 40 फीट ऊंची झांकी तैयार की जा रही है। जिसका दिखावा बहुत ही शानदार और भव्य होनेवाला है। इस गणेशोत्सव के संस्थापक अध्यक्ष साईनाथ भाऊ पवार व विराज पवार ने जनता के लिए विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन जैसे चित्रकला प्रतियोगिता चिकित्सा शिविर का आयोजन, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय एकात्मता संबंधित बैनर व होर्डिंग लगाकर सामाजिक संदेश दिया जाएगा साथ ही दर्शकों की लगने वाली भारी भीड़ की सुरक्षा वी अन्य सुविधाओं हेतु सैकड़ों स्वयंसेवक तैनात किए जायेंगे।उक्त जानकारी मंडल अध्यक्ष साईनाथ भाऊ पवार ने दी है।

सांसद सुप्रिया सुले का फोन और व्हाट्सऐप हैक

पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

दोपहर संवाददाता | पुणे

शनिवार को अभिनेता अर्जुन रामपाल का एक्स अकाउंट हैक हो गया था। अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने आरोप लगाया है कि उनका फोन और व्हाट्सऐप हैक कर लिया गया है। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में बारामती से सांसद सुले ने उनका फोन और व्हाट्सऐप हैक होने का दावा किया। साथ ही उन्होंन इसकी शिकायत पुलिस स्टेशन में की। उन्होंने लोगों से उन्हें मैसेज या फोन न करने का अनुरोध किया। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने लिखा कि "मेरा फोन और व्हाट्सऐप हैक कर लिया गया है। कृपया मुझे मैसेज या फोन न करें। मैं पुलिस में शिकायत दर्ज करा रही हूं।" बता दें कि शनिवार को अभिनेता अर्जुन रामपाल का एक्स अकाउंट हैक हो गया था इसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट कर दी थी। एक दिन बाद फिर से एक बड़ी हस्ती का सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो गया है। हैकर आए दिन राजनेताओं, बॉलीवुड सेलेब्स और बड़ी हस्तियों के सोशल मीडिया अकाउंट हैक करते हैं।

शुरू होने की दी जानकारी

हालांकि कुछ देर बाद सांसद सुप्रिया सुले ने जानकारी देते हुए एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मेरा व्हाट्सएप चालू हो गया है। व्हाट्सएप टीम ने इसके लिए हमारी सहायता की। उन्होंने इसके लिए टीम व्हाट्सएप और पुणे ग्रामीण पुलिस को धन्यवाद दिया। साथ उन्होंने अपने चाहने वालों से कहा कि यदि इस बीच किसी ने मुझे मैसेज किया हो तो इस तकनीकी खराबी के कारण उत्तर न दे पाने के लिए मुझे खेद है।

सुप्रिया सुले ने लोगों से की अपील

इस घटना के बाद सांसद सुप्रिया सुले ने लोगों से अपील की है कि सभी जरूरी सावधानियां बरतने के बाद भी मेरा व्हाट्सऐप हैक हो गया। कृपया हम सभी डिजिटल सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। व्हाट्सऐप इस्तेमाल करते समय टू फैक्टर वेरिफिकेशन करें। अपना पासवर्ड, ओटीपी किसी को न दें। साथ ही अनजान नंबरों से आए लिंक पर क्लिक न करें। डिजिटल सुरक्षा एक बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है और हमें इसका पूरा ध्यान रखना चाहिए।

उल्हासनगर मनपा अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत

परिजनों ने लगाया डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर के रीजेंसी एंटीलिया के करीब स्थित मनपा के सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल में अम्बरनाथ के बुवापड़ा में रहने वाली शिला चौहान नामक 48 वर्षीय एक महिला की ऑपरेशन के दौरान मौत हो गई। परिवार वालों का कहना है कि अस्पताल की लापरवाही के कारण परिजन की मौत हुई है। इस मामले में टिटवाला ग्रामीण पुलिस ने अस्पताल की सुरक्षा बढ़ाते हुए जांच में जुट गई है।

बता दें कि उल्हासनगर मनपा की देखरेख में रिजेंसी एंटेलिया में चार मंजिल इमारत में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाया गया है। मनपा उस अस्पताल को चलाने में सक्षम न होने के कारण प्लेटिनम जैसी संस्था को चलाने के लिए दिया गया है। इस अस्पताल के बारे में मनपा आयुक्त ने बताया कि यह अस्पताल पूर्ण रूप से कैशलेस है। पर आए दिन कुछ न कुछ कारणों से अस्पताल सुर्ख़ियो में रहता है।

ऐसे ही एक घटना में अम्बरनाथ बुवापाड़ा परिसर की रहने वाली शिला चौहान (48) को पेट में पथरी की शिकायत थी। जिसे लेकर उन्हें 7 अगस्त को भर्ती किया गया था।जिसके उपरांत 10 अगस्त को दोपहर साढ़े तीन बजे महिला को ऑपरेशन के लिए ऑपरेशन थिएटर में ले गए। जहां ऑपरेशन शुरू होने के पहले ही महिला की मौत हो गई। पर अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को पहले खून की कमी बताकर खून लाने को कहा।जिस पर परिजनों को आशांका हुई कि लेजर ऑपरेशन में खून की कमी कैसे पड़ सकती है। फिर परिजनों ने मरीज को जब देखने की इच्छा व्यक्त की तो देखने नहीं दिया और ऑपरेशन थिएटर को ताला बंदकर डॉक्टर व अन्य स्टाफ निकल गए। और अस्पताल प्रशासन ने किसी अनहोनी को देखते हुए पुलिस बुला लिया।और 8 बजे दरवाजा खोले जाने का आरोप परिजनों ने लगाते हुए और कहा की 7 अगस्त को वह स्वस्थ थी। उन्हें साढ़े 3 बजे ऑपरेशन के लिए ले जाया गया। उसके बाद साढ़े पांच बजे डॉक्टर ने खून लाने का कहा और ऑपरेशन थिएटर को ताला मारकर भाग गया। सर्जन विशाल तोमर की लापरवाही के चलते शिला की मौत हुई है। मौत की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी डॉक्टर व अस्पताल प्रशासन पर कार्यवाही की जानी चाहिए। परिजनों द्वारा डॉक्टर पर उठाए गए सवाल के कारण महिला को जे. जे. अस्पताल शव विच्छेदन के लिए भेजा गया हैं। वही इस मामले में अस्पताल प्रशासन से महिला की मौत का कारण पूछने पर तो कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है।

समाजसेवक परशुराम पाल द्वारा महानगरपालिका के विरोध में लोटपोट आंदोलन

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

समाज सेवक परशुराम पाल द्वारा भिवंडी महानगर पालिका के विरोध में सड़क पर हुए गड्ढों में अजीबोगरीब लोटपोट आंदोलन किया गया जो शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। बता दें कि भिवंडी शहर में रास्तों की हालत दयनीय स्थिति में है पता ही नहीं चलता कि सडक में गड्ढा है या गड्ढों में सड़क है। इन गड्ढों की वजह से शहर के नागरिकों के वाहनों का खराब होने के साथ कमरदर्द आदि समस्याओं के कारण आर्थिक हानि होती है। इन गड्ढों की वजह से कई लोगों को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ा है, वही मनपा के आयुक्त अजय वैद्य व उनके सहयोगी अधिकारियों को शहर वासियों की इस भारी मुसीबत से कोई सरोकार नहीं है। ज्ञात हो कि परशुराम पाल इससे पूर्व नाला सफाई को लेकर आत्मदाह करने की कोशिश कर चुके हैं, जिसे पुलिस की सक्रियता से आत्मदाह की कोशिश नाकाम हो गयी थी । रविवार को एक बार फिर परशुराम पाल सड़क पर हुए खड्ढे में अगरबत्ती हार फूल चढ़ाकर नारियल तोड़कर कीचड़ में लोटपोट शुरू कर दिया जिसे पुलिस द्वारा रोका गया। वहीं परशुराम पाल ने मनपा आयुक्त अजय वैद्य की अनुपस्थिति में एडिशनल आयुक्त विट्ठल ढाके को निवेदन देकर गड्ढों को जल्द से जल्द भरने की मांग की है।

बॉलीवुड के मशहूर सीनियर फोटोग्राफर प्रदीप बांदेकर का निधन

■ फिल्म इंडस्ट्री में दौड़ी शोक की लहर

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बॉलीवुड के सीनियर फोटोग्राफर प्रदीप बांदेकर का निधन हो गया है, जिससे फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रदीप बांदेकर की मौत की खबर सबसे पहले बॉलीवुड पैपराजी वरिंदर चावला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की। वरिंदर चावला ने भावुक पोस्ट में लिखा, 'आज हमारी इंडस्ट्री के लिए एक बेहद दुखद दिन है क्योंकि हम लेजेंडरी फोटोग्राफर प्रदीप बंडेकर के निधन पर शोक मना रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि, वह केवल एक मेंटर नहीं थे; उन्होंने मुझे बेटे की तरह माना। उनके द्वारा सिखाए गए पाठ अमूल्य हैं, और उनकी अनुपस्थिति एक ऐसा खालीपन छोड़ जाती है जिसे कभी भी भरा नहीं जा सकता। यह हम सभी के लिए एक बड़ा नुकसान है। प्रदीप बांदेकर की मौत ने बॉलीवुड की दुनिया में शोक की लहर पैदा कर दी है और उनके परिवार, दोस्तों और सहयोगियों के लिए यह एक बड़ा नुकसान है। उनकी तस्वीरों और काम ने इंडस्ट्री में कई लोगों को प्रभावित किया, और उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

उल्हासनगर मनपा ने किया भू माफिया के अवैध निर्माण शेड को सील

▸▸ हाई कोर्ट ने दिया अवैध शेड पर कार्रवाई का आदेश

आनंद शुक्ला | उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा ने माफिया के सात अवैध शेड को सील कर दिया है, इससे भू माफिया और स्टेट एजेंट घबराए हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार उल्हासनगर- 2 बजरंग आइस फैक्ट्री के पास में स्थित ऑन प्लाट पर मनपा अधिकारियों से मिली भगत करके सात अवैध सेट बनाए गए हैं। इस प्लाट को समाज सेवक अनिल विद्यार्थी अपना बता रहे हैं और इस अवैध निर्माण की शिकायत कई बार उन्होंने मनपाधिकारियों से किया। किंतु महानगर पालिका के अधिकारियों ने अवैध निर्माण पर कोई कार्रवाई नहीं की। जिससे मजबूर होकर अनिल विद्यार्थी ने हाई कोर्ट की शरण ली और वहां पर रिट पिटीशन दाखिल किया। इस रिट पिटीशन का नंबर 8718/2023 है। दूसरी तरफ इस प्लाट को अनिल गुप्ता नाम का शख्स अपना बता रहा था। इस प्लॉट को अनिल गुप्ता ने डेवलपमेंट करने के लिए उल्हासनगर के नामचीन भू माफिया मनोज पंजवानी को दिया और मनोज पंजवानी ने मनपाधिकारियों से साठगांठ करके यहां पर सात अवैध शेड बना दिया।

अब यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है और 9 जुलाई 2024 को हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि यहां पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया जाए लेकिन किन्ही कारणों से फिर इस सात अवैध निर्माण शेड को सील करने का आदेश दिया है और उल्हासनगर मनपा ने हाई कोर्ट के आदेश पर इन अवैध निर्माणों को सील कर दिया है, जिससे भू माफिया और स्टेट एजेंट घबराए हुए हैं क्योंकि इसमें से ज्यादातर अवैध निर्माण बिक चुके हैं। जबकि इसी अवैध निर्माण के बगल में और नए अवैध निर्माण करके शेड बनाये जा रहे हैं और उल्हासनगर मनपा के प्रभाग अधिकारी और बीट मुकदम इस अवैध निर्माण को लेकर मौन धारण किए हुए हैं। इस नए अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। सील किए गए अवैध शेड गालों की अगली सुनवाई 29 अगस्त को है, जिससे स्टेट एजेंट और भू माफिया में हड़कम मचा हुआ है।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत

उल्हासनगर मनपा द्वारा मैराथन का आयोजन

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

केंद्र सरकार और राज्य सरकार के आदेशानुसार 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देश के प्रत्येक नागरिक के दिल में देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर पर तिरंगा फहराने का लक्ष्य है. इसी उद्देश्य से प्रेरित होकर उल्हासनगर मनपा ने देशभक्ति की भावना से मनपा आयुक्त अजीज शेख के मार्गदर्शन में एक विशेष मैराथन रैली का आयोजन किया। यह रैली शांतिनगर वेलकम गेट से छत्रपति शिवाजी महाराज चौक तक और वापस शांतिनगर वेलकम गेट तक निकाली गई।

बॉक्सर रूल्स ग्रुप ने किया गणपति पंडाल का भूमि पूजन

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर के प्रसिद्ध बॉक्सर रूल्स ग्रुप द्वारा रविवार के दिन उल्हासनगर कैंप क्रमांक-1 सोनार हाल के पास में गणपति पंडाल का भूमि पूजन बड़ी ही धूमधाम के साथ किया गया। अभी कुछ दिन पहले इसी जगह पर गणपति बप्पा के पद का पूजन किया गया था और उनको बनाने के लिए मुंबई में भेज दिया गया है। रविवार के दिन सोनार हाल के पास में बड़े ही धूमधाम के साथ गणपति बप्पा के पंडाल भूमि पूजन किया गया। बता दें की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यहां पर गणपति उत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम तरीके से किया जाएगा। जहां पर गणपति उत्सव में लाखों लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। इस भूमि पूजन में उल्हासनगर के विधायक कुमार अयलानी, भाजपा नेता अजित सिंह लबाना, गुरुदीप सिंह लबाना, भाजपा पूर्व नगरसेविका मीना कौर लबाना सहित बॉक्स रूल्स ग्रुप के पदाधिकारी और गणपति बप्पा भक्तगण शामिल थे।

उद्धव ठाकरे के काफिले पर हुए हमले को लेकर मुख्यमंत्री शिंदे का बड़ा बयान

बोले- यह क्रिया की प्रतिक्रिया

दोपहर संवाददाता | ठाणे

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के काफिले पर हुए हमले के लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपनी प्रतिक्रया दी है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं किसी भी नेता की सभा में आंदोलन का समर्थन नहीं करता पर राज ठाकरे की सभा में उद्धव ठाकरे गुट के शिवसैनिकों ने जो गलत आंदोलन किया था यह उसकी प्रतिक्रिया थी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा है कि ठाणे में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के काफिले को निशाना बनाया जाना ''क्रिया की प्रतिक्रिया'' है। शनिवार को जब ठाकरे ठाणे गडकरी रंगायतन सभागार में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक बैठक के लिए पहुंचे तो राज ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और उनके काफिले पर गोबर और टमाटर फेंके। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस घटना के बारे में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि ''इसकी शुरुआत किसने की? शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं ने औरंगाबाद में राज ठाकरे के काफिले को निशाना बनाया। यह सिर्फ क्रिया की प्रतिक्रिया थी।" उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे और शिवसेना नेता आनंद दिघे के विचारों को त्याग दिया है, उन्हें ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

राज ठाकरे के काफिले पर फेंकी थी सुपारी

9 अगस्त को महाराष्ट्र के बीड जिले में मनसे प्रमुख राज ठाकरे को विरोध का सामना करना पड़ा। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के कार्यकर्ताओं ने राज ठाकरे पर लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव में किसकी सुपारी लेकर आये हैं यह आरोप लगाते हुए राज ठाकरे का काफिले को रोककर सुपारी और टमाटर फेंके थे।

उद्धव ठाकरे पर फेंके टमाटर और गोबर

वहीं इस घटना के बाद शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे गडकरी रंगायतन सभागार में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक बैठक के लिए पहुंचे तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और उनके काफिले पर टमाटर और गोबर फेंका था।

शिवसेना का महारोजगार मेला, सैकड़ों युवाओं को मिला ऑन द स्पॉट रोजगार

दोपहर संवाददाता | डोंबिवली

शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की संकल्पना से डोंबिवली पूर्व के मानपाड़ा रोड पर होराइजन ऑडिटोरियम में महारोजगार मेले का आयोजन किया गया था। यह रोजगार मेला शिवसेना शहर प्रमुख राजेश मोरे के नेतृत्व में आयोजित की किया गया था। इस मेले में लगभग 4500 युवाओं ने भाग लिया। रोजगार मेले में 130 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों की भागीदारी से हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए। इस पहल से स्थानीय युवाओं को अपने कौशल के अनुसार रोजगार पाने का अवसर मिला है, जिससे डोंबिवली में उत्साह का माहौल है। इस मौके में कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, डोंबिवली शहर प्रमुख राजेश मोरे, कल्याण तालुका प्रमुख महेश पाटिल, पूर्व नगरसेवक विश्वनाथ राणे, उप-नगर प्रमुख संतोष चव्हाण, गजानन व्यापारी, पूर्व नगरसेवक संजय पावशे के साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद हुए।

दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार — कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है : सेसिल बी. डेमिल

न्यूज़ ब्रीफ

माझी लाड़की बहन" योजना में आधार कार्ड संलग्न ज़रूरी

ठाणे। 'मुख्यमंत्री- माझी लड़की बहिन' योजना के लिए ठाणे जिले से कुल 5 लाख 3 हजार 80 आवेदन का चयन किया गया हैं। जबकि 37 हजार आवेदन त्रुटिपूर्ण हैं। हालांकि , जिन महिलाओं का बैंक खाता आधार कार्ड से लिंक नहीं हुआ है, उन्हें संधोधन के लिए संबंधित बैंक में जाना चाहिए और बैंक खाते को आधार कार्ड से लिंक करने के लिए कदम उठाना चाहिए। ठाणे जिलाधिकारी शिंगारे ने कहा कि इस तरह गलत आवेदन के मामले में संबंधित महिलाओं को तुरंत आशा सेविका / आंगनवाड़ी से संपर्क करना चाहिए। सेविका / ग्राम सेवक या जिनसे आवेदन भरा गया था। ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय में रविवार को हुई बैठक में जिला कलेक्टर अशोक शिंगारे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, जिला महिला और बाल विकास अधिकारी महेंद्र गायकवाड़ और जिला परिषद के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (महिला और बाल विकास) और संजय बागुल उपस्थित थे। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थी महिलाओं के आधार से जुड़े बैंक खाते में हर महीने 1 हजार पांच सौ रुपये की राशि जमा की जाएगी। इसके लिए संबंधित महिला का बैंक खाता आधार लिंक (आधार सीडिंग) होना चाहिए।

'मुख्यमंत्री- माझी लड़की बहन' योजना के लिए आवेदन करते समय लाभ राशि सीधे (डीबीटी के माध्यम से) आवेदन में उल्लिखित आधार संख्या से जुड़े बैंक खाते में जमा की जाएगी। इसलिए महिलाएं अपने बैंक खाते को आधार से जरूर लिंक कराएं।

पालघर के आश्रम स्कूलों में बीमार पड़े विद्यार्थियो के मामले की जांच की मांग

पालघर । पालघर से भाजपा सांसद हेमंत सावरा ने जिले में आश्रम विद्यालयों के विद्यार्थियों के भोजन विषाक्तता से बीमार होने के मामले की जांच की मांग की है। सांसद सावरा ने कहा कि उन्होंने आदिवासी मामलों के केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव से भेंट की तथा जांच की मांग करते हुए उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। बता दें कि पांच अगस्त को 33 आश्रम विद्यालयों के 663 विद्यार्थी खाना खाने के बाद बीमार पड़ गए। आश्रम विद्यालयों के 295 छात्र एवं 368 छात्राएं खाद्य विषाक्तता की शिकार हुईं। सांसद ने ऐसी घटनाएं रोकने के लिए केंद्र से दखल एवं जांच की मांग की है।

अलर्ट मोड में उद्धव ठाकरे

नए गद्दारों की तलाश के लिए मातोश्री पर बुलाई बैठक

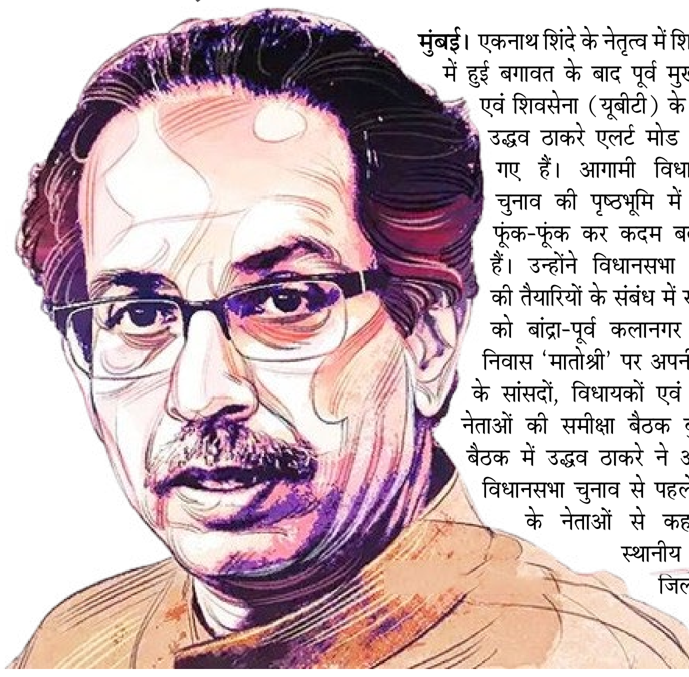

मुंबई। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में हुई बगावत के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे एलर्ट मोड में आ गए हैं। आगामी विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में उद्धव फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रहे हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव की तैयारियों के संबंध में रविवार को बांद्रा-पूर्व कलानगर स्थित निवास 'मातोश्री' पर अपनी पार्टी के सांसदों, विधायकों एवं प्रमुख नेताओं की समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में उद्धव ठाकरे ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के नेताओं से कहा कि स्थानीय या जिले स्तर पर ऐसे नेताओं का पता लगाया जाएं जो शिंदे गुट या किसी विपक्षी पार्टी के संपर्क में हो। बताया जा रहा है कि इस बैठक के जरिए उद्धव ने यह जानने का प्रयास किया कि पार्टी में कोई और ऐसा है जो सत्तारूढ़ महायुति सरकार के संपर्क में है और जो चुनाव जीतने के बाद फिर पाला बदलने की इच्छा रखता है। इसी के साथ-साथ उद्धव ने उपस्थित विश्वसनीय साथियों को विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उद्धव ठाकरे अलर्ट मोड पर हैं। रविवार को 'मातोश्री' पर हुई बैठक में उन्होंने सतर्क रुख अपनाते हुए अपने प्रत्येक संपर्क प्रमुख को तहसीलवार सूचियां दी गई हैं। तहसीलवार सूचियों में स्थानीय समूह प्रमुखों से लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों तक सभी विश्वसनीय लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए।

बैठक में दिए ये निर्देश

बैठक में संपर्क प्रमुख को यह भी जानने का निर्देश दिया कि क्या आपका कोई पदाधिकारी शिंदे की शिवसेना के संपर्क में है? इसी तरह क्या हमारा कोई नेता शासकों के संपर्क में है? इसकी भी जांच करने को कहा गया है। इस बैठक में विनायक राऊत, दत्ता दलवी, सुभाष देसाई, अमोल कीर्तिकर, अरविंद सावंत, मिलिंद नार्वेकर, ओम राजे निंबालकर और विभिन्न क्षेत्रों के नगरसेवक, पदाधिकारी शामिल हुए।

गलतियों को दोहराने से बचें

इस अवसर पर उद्धव ने अपने सांसदों और विधायकों को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए। ठाकरे ने यह भी कहा कि इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि जो गलतियां लोकसभा चुनाव में हुई थीं, विधानसभा में उन गलतियां को दोहराने से बचें।

मुंबई में ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग घोटाले का शिकार हुई महिला

महिला को 44 लाख का लगाया चूना

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मायानगरी मुंबई में एक 39 वर्षीय महिला ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग घोटाले का शिकार हो गई है। फेसबुक पर एक विज्ञापन का जवाब देने के बाद उसे करीब 44 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पीड़ित महिला, जिसका पति एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में प्रबंधक है। शुरू में वह महत्वपूर्ण मुनाफे के वादे से इस अवसर की ओर आकर्षित हुई थी। हालांकि ठगों द्वारा शिकार होने के बाद उसके पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़िता की शिकायत के अनुसार, फेसबुक विज्ञापन में "हमसे संपर्क करें" बटन पर क्लिक करने के बाद उसे पहली बार इस घोटाले का सामना करना पड़ा। उसके बाद वह सुनीता सिंह नामक एक महिला से जुड़ गई थी। जिसने खुद को शेयर ट्रेडिंग में एक भरोसेमंद सुविधाकर्ता के रूप में पेश किया था। सुनीता ने महिला को आश्वासन दिया कि उसके माध्यम से निवेश करने पर 100% लाभ होगा और दावा किया कि उसकी टीम किसी भी नुकसान की भरपाई करेगी। जिस छोटे व्हाट्सएप ग्रुप में उसे जोड़ा गया, उसमे केवल चार सदस्य थे, जिसे आदित्य सक्सेना नामक व्यक्ति द्वारा प्रबंधित करता था।

सक्सेना ने ऐप डाउनलोड करने के लिए दिया था लिंक

सक्सेना ने उसे जाम्बिन नामक ऐप डाउनलोड करने के लिए एक लिंक दिया, जिसमें उसे एक वर्चुअल अकाउंट खोलने और 10,000 रुपये की शुरुआती राशि जमा करने का निर्देश दिया गया था। इन निर्देशों का पालन करने के बाद, महिला को 2,000 रुपये का एक छोटा सा लाभ हुआ, जिसने उसे निवेश जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।

सक्सेना ने फिर उसे "ब्लैक ट्रेंड" नामक एक योजना में निवेश करने की सलाह दी, बाद में उसे एक अन्य व्हाट्सएप ग्रुप, "एवेंडस फाइनेंस क्लब जी 20" में जोड़ा गया, जिसे सुप्रिया पंवार द्वारा प्रबंधित किया जाता था, जिसने ब्लैक ट्रेंड में शेयर खरीदने पर छूट का वादा किया था। इन प्रस्तावों से आश्वस्त होकर, महिला और उसके पति दोनों ने भारी निवेश किया और उन्हें भारी नुकसान हुआ।

शिवसेना का महारोजगार मेला, सैकड़ों युवाओं को मिला ऑन द स्पॉट रोजगार

डोंबिवली। शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की संकल्पना से डोंबिवली पूर्व के मानपाड़ा रोड पर होराइजन ऑडिटोरियम में महारोजगार मेले का आयोजन किया गया था। यह रोजगार मेला शिवसेना शहर प्रमुख राजेश मोरे के नेतृत्व में आयोजित की किया गया था। इस मेले में लगभग 4500 युवाओं ने भाग लिया।

रोजगार मेले में 130 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों की भागीदारी से हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए। इस पहल से स्थानीय युवाओं को अपने कौशल के अनुसार रोजगार पाने का अवसर मिला है, जिससे डोंबिवली में उत्साह का माहौल है। इस मौके में कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, डोंबिवली शहर प्रमुख राजेश मोरे, कल्याण तालुका प्रमुख महेश पाटिल, पूर्व नगरसेवक विश्वनाथ राणे, उप-नगर प्रमुख संतोष चव्हाण, गजानन व्यापारी, पूर्व नगरसेवक संजय पावशे के साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद हुए। रोजगार मेले के बारे में बोलते हुए, जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने कहा, 'सांसद डॉक्टर श्रीकांत शिंदे की संकल्पना पर महाराष्ट्र सरकार और शिवसेना शाखा द्वारा कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र और डोंबिवली विधानसभा क्षेत्र के लिए यह भव्य रोजगार मेला आयोजित किया गया था। हाल ही में परीक्षाएं हुई, युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं और मेले में योग्य उम्मीदवारों को मौके पर ही भर्तियां दी गई हैं। यह रोजगार मेला युवाओं और युवतियों के लिए उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बन गया है।

वर्ली हिट एंड रन केस

आरोपी मिहिर शाह की फोरेंसिक रिपोर्ट निगेटिव

मुंबई। वर्ली बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन मामले में चौंकानेवाला खुलासा हुआ है। आरोपी मिहिर शाह की फोरेंसिक रिपोर्ट नेगेटिव आई है। इसका मतलब है कि आरोपी के रक्त नमूने में शराब के सेवन की पुष्टि नहीं हुई है। दुर्घटना के 72 घंटे बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। हालांकि पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया था कि उसने शराब पी थी। जनता तक पहुंचाने का काम जानकारों का कहना है कि देरी से गिरफ्तारी की वजह से उसके ब्लड सैंपल में शराब की पुष्टि नहीं हुई। आरोपी मिहिर शिवसेना (शिंदे) के उपनेता राजेश शाह का बेटा है। वर्ली के एनी बेसेंट रोड पर 7 जुलाई को सुबह साढ़े पांच बजे के आसपास बीएमडब्ल्यू कार ने स्कूटर सवार नखवा दंपती को पीछे से टक्कर मारी थी। दुर्घटना के समय कथित तौर पर मिहिर कार चला रहा था। हादसे में गंभीर रूप से घायल कावेरी नखवा (45 वर्ष) की मौत हो गई। उनके पति प्रदीप नखवा भी घायल हुए थे, जो उपचार से ठीक हो चुके हैं। चूंकि फोरेंसिक रिपोर्ट में शराब की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर पुलिस को यह मामला अदालत में पेश करना होगा।

म्हाडा की लॉटरी में ताड़देव में साढ़े सात करोड़ का घर

दीपक पवार | मुंबई

आम लोगों को किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए स्थापित म्हाडा के मुंबई मंडल की लॉटरी में घर की कीमत ने करोड़ों की उड़ान भरी है। म्हाडा के मुंबई बोर्ड के 2030 घरों की लॉटरी की घोषणा हो गई है। इस लॉटरी में ताड़देव में उच्च वर्ग के घरों की कीमत सबसे ज्यादा है, जो करीब साढ़े सात करोड़ रुपये है।

मुंबई मंडल लॉटरी का नाम पंजीकरण और आवेदन भरना शुरू हो गया है। इस लॉटरी विज्ञापन में बहुत कम, निम्न, मध्यम और उच्च आय वर्ग के घर शामिल हैं। यह लॉटरी विभिन्न आय समूहों के लिए विक्रोली, कुर्ला, बोरीवली, अंधेरी, सांताक्रूज़, मुलुंड, चेंबूर, ओशिवारा, कारिरोड, वडाला, लोअर परल, मझगांव, भायखला, दादर, माहिम, घाटकोपर, मानखुर्द और कांदिवली में है। इन घरों की कीमतें भी 29 लाख से 4 करोड़ के बीच हैं। ताड़देव में क्रिसेंट टॉवर में उच्च वर्ग के लिए घर हैं। 141 वर्ग मी। क्षेत्रफल के दो मकान उपलब्ध हैं और विज्ञापन में एक मकान की कीमत 7 करोड़ 52 लाख 61 हजार 631 रुपये दिखाई गई है। तो 142 वर्ग मी. क्षेत्रफल के 3 मकानों को मिलाकर एक मकान की कीमत 7 करोड़ 57 लाख 94 हजार 268 रुपए है, लेकिन जुहू विक्रांत कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में 107 वर्ग मीटर के मकान हैं और उनकी कीमत 4 करोड़ 87 लाख 97 हजार 197 रुपए तय की गई है।

उद्धव के काफिले पर नारियल फेंकने की घटना का राज ठाकरे ने किया समर्थन

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शनिवार को ठाणे में मनसे कार्यकर्ताओं के उद्धव ठाकरे की कार पर नारियल फेंकने की घटना का समर्थन किया है। राज ठाकरे ने कहा कि उनके कार्यकर्ताओं जितना चाहिए था, उससे दो गुना ज्यादा बदला लिया है। राज ठाकरे ने रविवार को पुणे में कहा कि, 'ठाणे में शनिवार को मेरे महाराष्ट्र के सैनिकों ने उद्धव ठाकरे के काफिले के सामने किया गया प्रदर्शन उनकी गुस्से की प्रतिक्रिया थी। मेरी नवनिर्माण यात्रा के दौरान व्यवधान पैदा करने के सभी प्रयास धाराशिव से शुरू हुए। धाराशिव में प्रदर्शनकारी मराठा आरक्षण आंदोलन के नाम पर नारे लगा रहे थे, लेकिन बाद में एहसास हुआ कि उनका इस आंदोलन से कोई लेना-देना नहीं था। वे शरद पवार और उद्धव ठाकरे गुट थे। उन्होंने कहा कि, 'बीड में उद्धव बाला साहेब ठाकरे की पार्टी शिव सेना के जिला अध्यक्ष ने प्रदर्शन के नाम पर एक तमाशा किया और चूंकि कहीं भी कोई शुरुआती विरोध नहीं था, इसलिए मेरे महाराष्ट्र के सैनिकों ने जो किया वह किया। जिस तरह से महाराष्ट्र के सैनिक इस समय सतर्क रहे हैं, राज ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा, 'उन्हें सतर्क रहना चाहिए।' राज ठाकरे ने राजनीतिक दलों और पत्रकारों को भी सिर्फ टीआरपी के लिए भडक़ाऊ खबरों से परहेज करने की अपील की है।

उद्धव ने 'भगवा' विचारधारा छोड़ दी, जनता उन्हें माफ नहीं करेगी: बावनकुले

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को शिवेसना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि उन्होंने 'भगवा' विचारधारा छोड़ दी है और छत्रपति शिवाजी महाराज की 'विरासत से खुद को दूर' कर लिया है। उन्होंने कहा कि जनता उद्धव ठाकरे को माफ नहीं करेगी। इससे एक दिन पहले, ठाणे में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे दिल्ली के आगे 'झुक' गए हैं। उन्होंने कहा था कि आगामी विधानसभा चुनाव उन लोगों के खिलाफ लड़ाई है, जो राज्य से 'नफरत' करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता ही उनके 'वाघ-नख' हैं। उन्होंने 'वाघ-नख' का जिक्र ऐतिहासिक लड़ाइयों में छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियार के एक प्रतीकात्मक संदर्भ में किया। जब केंद्रीय गृह मंत्री ने ठाकरे पर 'औरंगजेब फैन क्लब' का प्रमुख होने का आरोप लगाया था, तो इसके जवाब में पिछले महीने ठाकरे ने भाजपा नेता अमित शाह को 'अहमद शाह अब्दाली' करार दिया था।सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बावनकुले ने कहा, 'औरंगजेब फैन क्लब के नेता उद्धव ठाकरे ने ठाणे जाकर भाजपा को राम मुक्त बनाने के बारे में खूब शोर मचाया, लेकिन यह आपके लिए इस जीवनकाल में संभव नहीं होगा।' उन्होंने ठाकरे की रैलियों में हरे झंडों की मौजूदगी के लिए उनकी आलोचना की और ठाकरे के आवास के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन का जिक्र किया, जहां मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी को वोट देने के बाद वक्फ बोर्ड के प्रति उनके समर्थन की कमी पर सवाल उठाया था। बावनकुले ने ठाकरे पर छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत छोड़ने, 'औरंगजेब के उत्तराधिकारियों की पालकी' उठाने और 'भगवा' त्यागने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'यह आपके पतन की शुरुआत है। निजी लाभ के लिए आप पूज्य बालासाहेब को भूल गए, जनता आपको माफ नहीं करेगी।' इससे एक दिन पहले महा विकास आघाडी (एमवीए) के गठबंधन सहयोगियों ने ठाणे में उद्धव ठाकरे के काफिले पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) कार्यकर्ताओं के हमले को रोकने में विफल रहने के लिए गठबंधन सरकार पर निशाना साधा था। ठाकरे शनिवार को ठाणे के गडकरी रंगायतन सभागार में एक कार्यक्रम के लिए पहुंचे थे, तभी मनसे के कुछ कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए उनके काफिले पर टमाटर व गोबर फेंका। पुलिस ने मनसे के कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इससे पहले शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) के कुछ सदस्यों ने बीड में मनसे प्रमुख राज ठाकरे के काफिले पर सुपारी फेंकी थी। इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा, 'अब्दाली को यह देखकर मजा आता है कि मराठी लोग आपस में लड़ रहे हैं।' राउत ने दावा किया कि अब्दाली ने कुछ लोगों को विभाजन पैदा करने के लिए 'ठेके' पर रखा है, हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। राज ठाकरे के काफिले पर हमले के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कोई जवाब नहीं दिया और इसे मराठा आरक्षण की वकालत करने वाले व्यक्तियों का मामला बताया। उन्होंने (उद्धव ठाकरे के काफिले को निशाना बनाने वाले) हमलावरों को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें जारी राजनीतिक तनाव के बीच अपने परिवारों के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं सभी से दो महीने तक इंतजार करने का अनुरोध करता हूं। आने वाले समय में इस हरकत के प्रति प्रतिक्रिया का पता चलेगा।' इस बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता और लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने भी उद्धव ठाकरे के काफिले पर हमले की निंदा की। उन्होंने इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया और शिवसेना (यूबीटी) नेता की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की।

दो बजे दोपहर

संपादकीय

सरकार की मंशा पर सवाल

संसद के जारी मानसून सत्र में केन्द्र सरकार ने वक्फ़ बोर्ड कानूनों में संशोधन करने के उद्देश्य से गुरुवार को विधेयक पेश किया जिसका विपक्ष ने जबर्दस्त विरोध किया। इसके साथ ही सरकार में सहयोगी दल टीडीपी का रवैया भी खुलकर समर्थन देने वाला नहीं रहा। बल्कि टीडीपी सांसद जीएम हरीश बालयोगी ने विधेयक के लिए अपनी पार्टी का सशर्त समर्थन करते हुए कहा कि अगर वक्फ संशोधन विधेयक को आगे की जांच के लिए संसदीय समिति को भेजा जाता है तो वे इसका विरोध नहीं करेंगे। टीडीपी के इस हस्तक्षेप और इंडिया ब्लॉक के कड़े विरोध के बाद इस विधेयक को संसदीय समिति को भेजने का फैसला लिया गया। यह एक तरह से संसद में मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका है। सरकार का कहना है कि संशोधन कानून के जरिये वक्फ़ बोर्ड को मिले असीमित अधिकारों को नियंत्रित किया जायेगा, उसके कामकाज को पारदर्शी बनाया जायेगा और उसमें सभी वर्गों, खासकर महिलाओं एवं कमजोर वर्ग के मुसलमानों की भागीदारी बढ़ाई जायेगी। दूसरी तरफ़ विपक्षी दलों का मानना है कि इसके पीछे सरकार की मंशा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की है और वक्फ़ बोर्ड की जमीनों को हथियाना है। इस पर चर्चा जारी है लेकिन यदि संख्या बल के आधार पर सरकार इसे पास कराने में कामयाब होती है तो यह अल्पसंख्यकों में असंतोष और निराशा का एक और कारण बनेगा। मूलतः 1955 में लागू किये गये और साल 2013 में संशोधन के साथ जारी बोर्ड कानून में फिर से बदलाव के अनेक प्रस्ताव हैं। बेहतर कामकाज और संचालन के नाम से 44 संशोधन लाए जाने की सरकार की तैयारी है। सरकार के मुताबिक इस संशोधन द्वारा केंद्रीय पोर्टल और डेटाबेस के जरिये वक्फ़ के पंजीकरण को व्यवस्थित करना है। इसमें प्रस्ताव है कि किसी भी संपत्ति को वक्फ़ संपत्ति के रूप में दर्ज करने से पहले सभी संबंधितों को नोटिस देना होगा और इसमें राजस्व कानूनों के अनुसार कार्रवाई होगी। सरकार का तो कहना है कि संशोधन विधेयक का उद्देश्य बोर्डों के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता लाना तथा महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है। सरकार का दावा है कि यह संशोधन मुस्लिम समुदाय की मांग पर किया जा रहा है। जबकि विरोधी दल मानते हैं कि रजिस्ट्रेशन की नयी प्रणाली बोर्डों को परेशान करेगी एवं उनमें शासकीय दखलंदाजी बढ़ाएगी। उनकी शक्तियों में कटौती होगी जो धार्मिक कामकाज में सरकार के हस्तक्षेप जैसा होगा। वक्फ़ बोर्ड कानून 2013 के संशोधन में वक्फ़ बोर्डों को व्यापक शक्तियां देता है। इसलिये भाजपा को इससे तकलीफ़ है। वक्फ़ अधिनियम, 1995 (2013 में संशोधित) की धारा 3 के तहत 'वकीफ़' (जो मुस्लिम कानून द्वारा धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी उद्देश्य के लिए संपत्ति समर्पित करता है) द्वारा 'औकाफ़' (दान की गई और वक्फ़ के रूप में अधिसूचित संपत्ति) को नियमित करने के लिए बना था। 1954 का अधिनियम पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान वक्फ़ के कामकाज हेतु प्रशासनिक संरचना देने के उद्देश्य से बना था। तब वक्फ़ बोर्डों के पास शक्तियां थीं, जिनमें ट्रस्टियों और मुतव़ल्लियों (प्रबंधकों) की भूमिकाएं भी शामिल थीं। अल्पसंख्यकों के अधिकारों एवं उनकी धार्मिक आजादी में कटौती करने वाले वक्फ़ बोर्ड कानून संशोधन का स्वाभाविकतः कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद मुस्लिमीन आदि की तरफ से संसद में विरोध किया गया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर कहा है कि- 'वक्फ बोर्ड में संशोधन एक बहाना है। रक्षा, रेलवे, राजस्व भूमि की तरह उसकी ज़मीनें बेचना निशाना है। वक्फ़ बोर्ड की ज़मीनें 'भाजपाइयों के लाभार्थ योजना' की श्रृंखला की कड़ी मात्र है। अखिलेश ने कहा कि इस बात की लिखकर गारंटी दी जाए कि वक्फ़ बोर्ड की ज़मीनें बेची नहीं जाएंगी।' एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने हालिया कहा था कि मोदी सरकार बोर्ड की स्वायत्तता छीनना और उसके कामों में हस्तक्षेप करना चाहती है जो धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। उनका तो आरोप रहा है कि भाजपा बोर्डों और वक्फ़ संपत्तियों के खिलाफ रही है। लोकसभा में भी उन्होंने इन शंकाओं को दोहराया। माना जा रहा है इस विधेयक संशोधन का संसद की तरह ही देश भर में बड़ा विरोध होगा क्योंकि लोगों को दिख रहा है कि ऐसा भाजपा द्वारा उसकी अल्पसंख्यक विरोधी मानसिकता के कारण किया जा रहा है। पिछले कार्यकालों में यही सरकार तीन तलाक, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति जैसे कानून लेकर आई थी, वहीं दूसरी ओर देश भर में, खासकर जहां भाजपा की सरकारें हैं, उनमें कभी हिजाब का मुद्दा बनाया गया तो कहीं कथित लव जिहाद की बातें हुईं। उत्तराखंड में समान नागरिकता संहिता को मान्यता दी गयी। भाजपा का मुख्य विमर्श ही समाज में विभाजन पैदा करना है। एक ओर वह हिन्दू-मुस्लिम करती है तो दूसरी ओर उसने बड़े पैमाने अगड़े-पिछड़ों में दरारें पैदा की हैं। इसी के बल पर भाजपा सरकार ने यह लोकसभा चुनाव लड़ा था। उसकी सीटें काफी घटीं लेकिन भाजपा अब भी सोचती है कि सरकार में बने रहने का यही मार्ग है।

व्यापक बने राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों का दायरा

डॉ. केपी सिंह

सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह देश में राजनीतिक संतुलन बनाए रखने, आर्थिक हितों की रक्षा करने, क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने और घरेलू सुरक्षा वातावरण को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करे। इसके साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं और मानव निर्मित संकटों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने चाहिए। सक्षम राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों (एनएसडी) का उद्देश्य देश और नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

केसी पंत की अध्यक्षता वाली 'टास्क फोर्स' की सिफारिश पर, राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक शीर्ष सलाहकार निकाय के रूप में 1998 में 'राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद' (एनएससी) का गठन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे। जिसमें वित्त, रक्षा, गृह और विदेश मंत्री शामिल थे। हालांकि, एनएससी ने आज तक एनएसडी का लिखित दस्तावेजीकरण नहीं किया है, जिससे हितधारक अपना अधिदेश प्राप्त कर सकें और सामरिक महत्त्व की रणनीति तैयार कर सकें। एनएसडी अभी तक मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाओं तक ही सीमित रही है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और सैन्य रणनीतियों तथा कूटनीति पर अधिक ध्यान केन्द्रित रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्याम सरन द्वारा 2015 में तैयार राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के मसौदे में दीर्घकालिक योजना और निर्णय लेने के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों, जिनमें घरेलू सुरक्षा, बाहरी सुरक्षा, सैन्य तैयारी, आर्थिक सुरक्षा और पारिस्थितिक सुरक्षा शामिल है, की पहचान की गई थी। यह तथ्य है कि कूटनीतिक मामलों और आर्थिक तथा पर्यावरण से जुड़े सुरक्षा के मुद्दों पर एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति बन गई है, लेकिन घरेलू सुरक्षा की चिंताएं राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी राजनीति के एजेंडे से ऊपर नहीं उठ पाई हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संवेदनशील रक्षा मामलों पर मतभेद आजकल राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श में खुले तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं।

प्रतिस्पर्धी सामाजिक और राजनीतिक विचारधाराओं में समन्वय के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, सैन्य-रुख और भू-राजनीतिक हितों के बीच संतुलन स्थापित करना एक सार्थक एनएसडी तैयार करने की कुंजी है। रूढ़िवादी मानसिकता वाले सुरक्षा विशेषज्ञ प्रायः तर्क देते हैं कि भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में सुरक्षा मामलों पर आम सहमति पर पहुंचना आसान नहीं होगा और न ही सार्वजनिक रूप से एनएसडी की बारीकियों पर चर्चा करना वांछनीय होगा। शायद यही कारण है कि नीति-निर्माता एक व्यापक एनएसडी नहीं बना पाए हैं और यह बन्द कमरे का मामला बनकर रह गया, जिस पर सत्ताधारी दल की विचारधारा का एकाधिकार होता है। भारत में एनएसडी पर चर्चा में आंतरिक सुरक्षा के मुद्दों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना दिया जाना चाहिए। भूमि और समुद्री मार्गों से आने वाले अवैध प्रवासी भारत में शांति और स्थिरता के लिए एक बड़ा ख़तरा है। सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी अवरोधन के बिना रोहिंग्या और बांग्लादेशी अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में तलहटी और निचले हिमालयी क्षेत्रों में बस गए हैं। इन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी कुछ दशकों में ही बहुत बदल गई है, जिससे घरेलू शांति और सामाजिक संतुलन के लिए गम्भीर ख़तरे पैदा हो गए हैं। चिंता की बात यह है कि इन अवैध प्रवासियों का कोई व्यवस्थित जायजा नहीं लिया जाता है और सुरक्षा एजेंसियों को उनकी संख्या और बसने के स्थानों के बारे में भी ज्ञान नहीं है।

भारत फ्रांस और इंग्लैंड जैसे यूरोपीय देशों से आने वाले शुरुआती चेतावनी संकेतों को नज़रअंदाज नहीं कर सकता है, वहां जनसंख्या नियंत्रण नीति के अभाव में उनकी जनसांख्यिकी में जिस प्रकार का बदलाव आ रहा है, उसमें मूल निवासी अपनी ही मातृभूमि में जातीय और सांस्कृतिक अल्पसंख्यक बनने की पीड़ा झेल रहे हैं। जनसांख्यिकीय मोर्चे पर असहजता और लाचारी के ऐसे संकेत भारत के कुछ हिस्सों में पहले से ही दिखाई दे रहे हैं। एक सुविचारित जनसंख्या नियंत्रण-नीति को अपनाकर जनसांख्यिकीय और सामाजिक-सांस्कृतिक यथास्थिति को बनाए रखना एनएसडी के समग्र परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक हो गया है। पूरे देश में विशेषकर, उत्तर-पूर्व और उत्तरी और पश्चिमी भारत के सीमावर्ती राज्यों में, नशीली दवाओं का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। उचित और पर्याप्त नीतिगत हस्तक्षेप की कमी के कारण नशीली दवाओं की लत में फंसे बेरोजगार युवाओं ने पहले ही बहुप्रचारित 'जनसांख्यिकीय लाभांश' को बेअसर कर दिया है। कट्टरपंथी और अलगाववादी तत्व, जो धर्म की स्वतंत्रता की आड़ में वित्तीय प्रलोभन के आधार पर धर्मांतरण और धर्म की गलत व्याख्या करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं, सख्त प्रतिबंधों के पात्र हैं। भेदभावपूर्ण और अपमानजनक धार्मिक रीति-रिवाजों और विकृत शिक्षा का घरेलू सुरक्षा परिदृश्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, उन्हें धर्म के अंदर से ही सुधारों को बढ़ावा देकर या उचित कानूनी अधिनियमों के माध्यम से बदलने की आवश्यकता है। भारत का लगभग आधा भू-भाग हर वर्ष बाढ़ की चपेट में आता है, जबकि गर्मियों के महीनों में देश के कई हिस्सों में पर्याप्त पेयजल भी उपलब्ध नहीं होता है। जल-संचयन की कमी के कारण जल-स्रोत समाप्त होते जा रहे हैं, और भूमिगत जलस्तर प्रतिवर्ष नीचे खिसक रहा है। पानी की कमी दुनियाभर में सभ्यता के अस्तित्व के लिए बड़ा ख़तरा बन चुकी है। जल-संसाधनों का प्रबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा हितधारकों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

जन आंदोलनों को गति देने वाले सामाजिक उद्दीपक संक्रामक होते हैं, हम आरक्षण और बेरोजगारी के मुद्दों पर बांग्लादेश में चल रहे जन आंदोलन को नज़रअंदाज नहीं कर सकते। इसलिए, एनएसडी के कार्यक्षेत्र को व्यापक बनाने और परम्परागत विषयों के अतिरिक्त आंतरिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को भी इसमें समाहित करने की जरूरत है।

सहज योग

धर्म की खोज में मनुष्य परलोक तक पंहुचा

इन सब बड़े-बड़े खोजने वालों से मेरा भी बहुत नजदीकी संबंध रहा है और वो लोग जितने मेरे अपने हैं शायद आप लोगों के नहीं हैं। जो लोग बड़े-बड़े झण्डे लगाते हैं कि हम मुसलमान हैं, हिन्दु हैं, ये हैं, वो है, वो सिर्फ एक वकीली लेकर के झूठमूठ से आए हैं।

पहले ही से नहीं नहीं करने वाले लोगों का यह स्थान नहीं है और न ही उनके लिये यहां पर कोई व्यवस्था की जा सकती है। ऐसे लोग जो कि आप हैं, चाहे वो कितने भी Condition में हों लेकिन जो सच्चाई चाहते हैं और जो चाहते हैं कि हमारे अन्दर परिवर्तन हो जाए, वो सिर आंखों पर हमारे और मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस जन्म में ही उनको मिलेगा चाहे उनकी कैसी भी Conditioning हो गई हो, चाहे उनकी कुण्डलिनी एक रही है उसका भी राजकरण बना लेते हैं, कैसे कार्य चलेगा? ये राजकरण नहीं है। ये तथ्य है, ये सत्य है। एक बहुत बड़ी खोज है। यहां पर जो लोग Realized लोग बैठे हैं वो समझ रहे हैं, मैं क्या कह रही हूं। धर्म की खोज में मनुष्य परलोक ही तक पहुंच पाया है, अभी तक परम तक नहीं पहुंच पाया। और जो परम तक पहुंच भी थे वो परम को नीचे नहीं ला सके और लोगों के लिए ये बात सत्य है। जैसे आपके अनेक जन्म हुए हैं मेरे भी अनेक जन्म हुए हैं। इन सब बड़े-बड़े खोजने वालों से मेरा भी बहुत नजदीकी संबंध रहा है और वो लोग जितने मेरे अपने हैं शायद आप लोगों के नहीं हैं। जो लोग बड़े-बड़े झण्डे लगाते हैं कि हम मुसलमान हैं, हिन्दु हैं, ये हैं, वो है, वो सिर्फ एक वकीली लेकर के झूठमूठ से आए हैं। उनके पास कोई भी guarantee नहीं है कि पिछले जन्म में हो सकता है जो हिन्दू है वो मुसलमान रहा हो, जो मुसलमान है वो इसाई रहा हो। जब जन्म जन्मांतर की बात है, जब अनन्त की बात तो सोचना भी उसी Level पर, उसी स्तर पर होगा। वो पर ऐसा है कि नही, जो कुछ परम तत्व कठिन है वो gross नहीं, जो कुछ परम है वो जड़ है वो जड़ नहीं। जो कुछ जो सूक्ष्म है वो जड़ नहीं। इस बात को आप ठीक से समझ लें। वो जड़ में प्रकाशित हो सकता है किन्तु परम जड़ में Interested नहीं है, उसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। जैसे कि बहुत से लोग मुझे बताते हैं कि वे एक साधु संत थे वो परमात्मा से कुछ मांग रहे थे और इनको परमात्मा ने दे दिया। दिया होगा, लेकिन परमात्मा ने नहीं दिया, ये मैं बता सकती हूं।परमात्मा को इसमें कोई भी Interest नहीं है कि आपके इतने बच्चे पैदा हो जाएं या आपको ज़मीन मिल जाए, आपको घर मिल जाए, आपको दुनिया भर के ऐशो आराम के साथ कैसा भी खिलवाड़ हो गया हो। खिलवाड़ बहुत हो चुके हैं, पर मैं कहती हूं कि किसी की भी कुण्डलिनी में खराबी आ गई हो, उस पर लोग मुझे कहते हैं कि आप विरोध कर रहें हैं।

प्रस्तुति: धीरज सिंह

शख्सियत | विक्रम अंबालाल साराभाई

भौतिक विज्ञानी और खगोलशास्त्री

डॉ. विक्रम अंबालाल साराभाई एक भारतीय भौतिक विज्ञानी और खगोलशास्त्री थे, जिन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की शुरुआत की और भारत में परमाणु ऊर्जा संयंत्र की शुरुआत की। उनकी इस उपलब्धि के कारण उन्हें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है। उन्हें 1966 में पद्म भूषण और 1972 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

12 अगस्त, 1919 को विक्रम साराभाई का जन्म अहमदाबाद, भारत में हुआ था। उनका पूरा नाम विक्रम अंबालाल साराभाई है और वह अंबालाल साराभाई के पुत्र थे जो एक गुजराती उद्योगपति थे। उनकी प्रारंभिक शिक्षा मोंटेसरी तर्ज पर उनके माता-पिता द्वारा संचालित एक निजी स्कूल, 'रिट्रीट' में हुई। महात्मा गांधी, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ, जे. कृष्ण मूर्ति, मोतीलाल नेहरू, वी. एस.श्रीनिवास शास्त्री, जवाहरलाल नेहरू, सरोजिनी नायडू, मौलाना आज़ाद, सी. एफ. एंड्रयूज, सी. वी. रमन जैसे महान व्यक्तियों की यात्राओं ने विक्रम साराभाई को बहुत प्रभावित किया। विक्रम साराभाई ने नवंबर 1947 में अहमदाबाद में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विक्रम साराभाई ने कॉस्मिक किरणों की समय विविधताओं पर शोध किया और निष्कर्ष निकाला कि मौसम संबंधी प्रभाव कॉस्मिक किरणों की देखी गई। दैनिक विविधताओं को पूरी तरह से प्रभावित नहीं कर सकते। विक्रम साराभाई ने सौर और अंतरग्रहीय भौतिकी में अनुसंधान के एक नए क्षेत्र के खुलने की कल्पना की। विक्रम साराभाई ने अरब तट पर तिरुवनंतपुरम के पास थुम्बा में देश का पहला रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन (टीईआरएलएस) स्थापित किया, क्योंकि थुम्बा भूमध्य रेखा के बहुत करीब है। सोडियम वाष्प पेलोड वाला पहला रॉकेट 21 नवंबर, 1963 को लांच किया गया था। 1965 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टीईआरएलएस को एक अंतरराष्ट्रीय सुविधा के रूप में मान्यता दी थी। एक हवाई दुर्घटना में होमी भाभा की आकस्मिक मृत्यु के बाद, विक्रम साराभाई को मई 1966 में परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। विक्रम साराभाई का 30 दिसंबर 1971 को कोवलम में निधन हो गया।

जीवन ऊर्जा | सेसिल बी. डेमिलः जन्म- 12 अगस्त, 1881 | जन्म

सेसिल बी. डेमिल एक प्रभावशाली अमेरिकी फिल्म निर्देशक और निर्माता थे, जिन्हें द टेन कमांडमेंट्स और क्लियोपेट्रा जैसी महाकाव्य फिल्मों के लिए जाना जाता है। उन्हें अमेरिकी सिनेमा उद्योग का अग्रणी माना जाता है और उन्होंने हॉलीवुड फिल्म उद्योग को आकार देने में मदद की। 12 अगस्त, 1881 को उनका जन्म और 21 जनवरी, 1959 को उनका निधन हो गया।

कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है

रचनात्मकता एक नशा है, जिसके बिना मैं नहीं जी सकता। जो व्यक्ति कोई गलती नहीं करता, वह आमतौर पर कुछ नहीं बनाता। दुनिया की सबसे महान कला कहानी कहने की कला है। भगवान ने हमें स्वतंत्र इच्छा दी है, और हम इसे किसी भी दिशा में प्रयोग कर सकते हैं। कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। एक फिल्म तभी वास्तव में अच्छी होती है जब कैमरा एक कवि के सिर में एक आंख होता है। मैं फिल्में ज्यादा नहीं देखता। मुझे अपनी खुद की पसंद है। मुझे बाइबल के किसी भी दो पृष्ठ दे दो, और मैं तुम्हें एक चित्र दे दूंगा। हमारे लिए कानून को तोड़ना असंभव है। हम केवल कानून के खिलाफ खुद को तोड़ सकते हैं। बाइबल वह पुस्तक है जिस पर यह गणराज्य टिका हुआ है। सफलता का रहस्य एक मजबूत और लगातार बढ़ते विश्वास में है। उलझन में पड़ी एक मस्तिष्क रचना नहीं कर सकती। हममें से अधिकांश लोग अपने आदर्शों की सेवा बीच-बीच में करते हैं। जो व्यक्ति जीवन में सफल होता है, वह वही है जो अपने लक्ष्य को लगातार देखता है और उसे पूरी दृढ़ता से प्राप्त करता है। हर बार जब मैं एक फिल्म बनाता हूं, तो मैं कुछ नया सीखता हूं। यह जीवन के विरोधाभासों में से एक है कि हम दूसरों में जिन चीजों से सबसे ज्यादा नफरत करते हैं, वे वही चीजें हैं जिन्हें हम अपने अंदर नापसंद करते हैं। मेरी सेवा फिल्में बनाना है जो लोगों को भगवान के करीब लाएं। किसी व्यक्ति के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज यह है कि उसकी दिशा हो। सफलता की कुंजी सपने देखना है; खुशी की कुंजी उन्हें सच करना है। हमारी आधुनिक दुनिया यह परिभाषित करती है कि क्या सही है, यह इस पर निर्भर करता है कि कौन बचा है। काम करवाने का तरीका यह है कि आप क्रियाशील व्यक्ति बनें।

प्रेरक प्रसंग

परेशानियों से लड़ने का हल

एक व्यक्ति अपने जीवन में बहुत परेशान था। हमेशा छोटी छोटी चीजों में उलझा रहता था। एक दिन वह पूरी तरह से परेशान हो गया और वह अपने गुरु के पास गया। गुरु जी मैं बहुत परेशान हु। धीरे धीरे मानसिक बीमारी का शिकार हो रहा हूं। गुरुजी एक गिलास में पानी भरते हैं उसमें मुट्ठी भर नमक डालते हैं और उस व्यक्ति को कहते हैं की पी लीजिए। वह व्यक्ति पानी पीते ही जोर से चिल्लाता है गुरु जी यह कैसा मजाक है? इतना खारा पानी मुझे क्यों पिला रहे हो? गुरुजी उसे मीठे तालाब की ओर ले जाते हैं। वहा भी गुरुजी मुट्ठी भर नमक डालते हैं फिर वह पानी उसे पीने बोलते हैं। व्यक्ति पानी पीकर तृप्त हो जाता है और कहता है कि यह बहुत ही मीठा पानी है इसे पीकर संतुष्ट हो गया। गरुजी उसे समझाते हैं कि जीवन में हर व्यक्ति किसी ना किसी चीज से परेशान है। जो व्यक्ति की सकारात्मक ऊर्जा तालाब की तरह है उसे छोटे-छोटे परेशानियों से कुछ फर्क नहीं पड़ता । उसकी परेशानी कितनी भी बड़ी हो पर उसकी सकारात्मक ऊर्जा उससे भी कहीं अधिक बड़ी होनी चाहिए।

झूठ की सजा

एक बार एक आदमी अपने पालतू बंदर के साथ जहाज में यात्रा कर रहा था। तूफान आ जाने के कारण जहाज पलटने लगा सभी लोगों के साथ साथ में बंदर भी पानी में कूद गया। डॉल्फिन ने बंदर को मनुष्य समझकर बचा लिया डॉल्फिन उसे अपनी पीठ पर बिठाकर किनारे को ले जा रही थी। ग्रीस देश की सीमा पार करते डॉल्फिन ने बंदर से पूछा,क्या तुम एथेंस के रहने वाले हो?
बंदर ने झूठ बोल दिया, हां, डॉल्फिन ने फिर पूछा,' क्या तुम्हें पिराकस पता है? बंदर को लगा की यह कोई व्यक्ति का नाम है, इसलिए बोला ,वह मेरा अच्छा मित्र है'। डॉल्फिन को पता था की वह व्यक्ति का नाम नही है जबकि बंदरगाह है। डॉल्फिन को झूठ से सक्त नफरत थी। उसे बहुत गुस्सा आया और उसने पानी में डुबकी लगाई और बंदर पानी में डूबकर मर गया। झूठ से केवल क्षणिक लाभ हो सकता है; उससे प्रायः भारी नुकसान होता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भस्मासुर का वर्णन

(भाग 2)

इसके बाद श्रीहरि ने मोहिनी अवतार लिया और भस्मासुर के पास आये। उनका रूप देख कर भस्मासुर सब कुछ भूल गया और उनसे विवाह का प्रस्ताव रखा। तब मोहिनी रुपी श्रीहरि ने कहा कि उनका प्रण है वे उसी से विवाह करेंगी जो उनके समान ही नृत्य प्रवीण होगा। भस्मासुर को नृत्य करना आता नहीं था। तब उसने मोहिनी से ही प्रार्थना की कि वे उन्हें नृत्य सिखाएं। मोहनी मान गयी।

अब भस्मासुर की नृत्य शिक्षा प्रारम्भ हुई। उसे सभी प्रकार की नृत्य कलाओं से निपुण करने के बाद मोहिनी रुपी श्रीहरि ने कहा कि अब वे उसकी परीक्षा लेंगी और यदि वो उस परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ तब वे उससे विवाह कर पाएंगी। भस्मासुर मान गया। मोहिनी रुपी श्रीहरि ने उससे कहा कि वो जैसा नृत्य करे, ठीक वैसा नृत्य कर के वो दिखाए। उसी प्रक्रिया में मोहिनी ने अपना हाथ अपने सर पर रख दिया। उनकी नकल करने के प्रयास में भस्मासुर ने भी वैसा ही किया और स्वयं भस्म हो गया। उसका वरदान उसी के लिए श्राप बन गया। एक और कथा के अनुसार भस्मासुर की उत्पत्ति महादेव के शरीर पर लिपटी भस्म से हुई थी। महादेव द्वारा वरदान पाने के बाद वो उसका दुरूपयोग करने की सोचने लगा। तब श्रीहरि एक ब्राह्मण का वेश बना कर उसके पास आये और कहा कि ₹महादेव तो औघड़दानी हैं, उनकी बात का क्या भरोसा। पहले स्वयं अपने सर पर हाथ रख कर देख तो लो कि उन्होंने सही में वरदान दिया भी है या नहीं? उनकी बातों में आकर भस्मासुर ने अपने सर पर हाथ रखा और भस्म हो गया। ऐसी मान्यता है कि महादेव ने जो गुफा बनाई और जहाँ वो ठहरे थे वो वर्तमान में बिहार के कैमूर पहाड़ी पर स्थित है। इस गुफा का नाम है ₹गुप्तधाम₹ और श्रावण मास में श्रद्धालु दूर-दूर से यहाँ उन्हें जल चढाने आते हैं।

अब एक प्रश्न आता है कि क्या होता यदि भस्मासुर महादेव के सर पर हाथ रख भी देता तो? कुछ लोग पूछते हैं कि क्या महादेव भस्म हो जाते? ऐसा सोचने से अधिक हास्यप्रद और कुछ हो ही नहीं सकता। जो महादेव प्रलय के अंत में अपनी एक हुंकार से सारी सृष्टि को भस्म कर देते हैं, वो क्या एक तुच्छ राक्षस द्वारा भस्म हो जाते? ऐसा सोचना ही मूर्खता है। तो महादेव का कुछ होने से तो रहा किन्तु यदि ऐसा हो जाता तो महादेव द्वारा भस्मासुर को दिया गया वरदान झूठा हो जाता। जब ईश्वर का वचन झूठा हो जाये तो ये सृष्टि कैसे चल सकती है। दूसरा कि यदि महादेव स्वयं भस्मासुर का वध कर देते तो भी अधर्म होता क्यूंकि वो महादेव का भक्त था और उसे स्वयं उनका ही वरदान प्राप्त था। इसी कारण स्वयं अपने वरदान की रक्षा करने हेतु और भस्मासुर को स्वयं के क्रोध से ही बचाने के लिए महादेव उससे दूर चले गए।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

विवाह के बाद पहले सावन में मायके क्यों जाती हैं दुल्हन ?

धार्मिक दृष्टिकोण से सावन माह को बहुत ही पवित्र और शुभ माना गया है। यह पूरा महीना भगवान शिव की पूजा के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। सनातन धर्म में कई ऐसी प्रथाएं हैं जिनका पालन हम सदियों से करते चले आ रहे हैं, ऐसी ही रस्मों में से एक है शादी के बाद लड़कियों का पहले सावन में मायके जाना। इस लिहाज से नवविवाहित महिलाओं के लिए भी सावन के माह का खास महत्व है। ऐसे में आइए जान लेते हैं कि पहले सावन माह में नवविवाहित महिलाओं का मायके जाना क्यों शुभ माना जाता है और इसका क्या महत्व है।

मायके जाने का धार्मिक महत्व

ज्योतिष-शास्त्र के अनुसार, शादी के बाद पहले सावन पर नवविवाहित दुल्हन को मायके जरूर जाना चाहिए। इसे बहुत ही शुभ माना जाता है। इस परंपरा का सदियों से पालन किया जा रहा है। मान्यता है कि, इस परंपरा को निभाने से मायके और ससुराल के बीच सामंजस्य की स्थिति बनी रहती है और मेल-मिलाप बढ़ता है।

बेटियों को माना जाता है घर की लक्ष्मी

हिंदू धर्म में बेटियों को घर के लिए बहुत ही शुभ माना गया है। बेटियों को घर की लक्ष्मी कहा जाता है। ऐसे में जब बेटियां शादी के बाद ससुराल चली जाती हैं, तो मायके में उदासी छा जाती है। ऐसे में सावन के माह में बेटी के मायके आने पर घर में फिर से खुशहाली छा जाती है।

पारिवारिक जीवन में बढ़ती है खुशियां

सावन पर नवविवाहित बेटियों का अपने मायके जाने के पीछे का एक कारण यह भी है कि, बेटी से ही घर का भाग्य जुड़ा माना जाता है। ऐसे में सावन के महीने में जब बेटियां अपने मायके आती हैं, तो उसका भाग्य घर के भाग्य को नियंत्रित करता है। इससे पारिवारिक जीवन में खुशियां बढ़ती हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है। इससे ससुराल और मायके के बीच की स्थिति भी ठीक रहती है।

मायके आकर लगाती हैं तुलसी का पौधा

ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद पहले सावन में जब लड़कियां मायके आती हैं तो वे घर में तुलसी का नया पौधा लगाती हैं। इससे मायके के साथ-साथ ससुराल में भी सदैव खुशहाली बनी रहती है। ऐसा करने से घर में सुख समृद्धि का आगमन होता है।

प्राचीन काल से चली आ रही रस्म

प्राचीन काल में ये प्रथा इसलिए भी बनाई गई थी क्योंकि ससुराल में लड़कियों को बहुत काम करना पड़ता था। ऐसे में यदि वो कुछ दिनों के लिए अपने मायके चली आती थीं तो उनको कुछ आराम मिल जाता था। तभी से ये एक मुख्य रस्म मानी जाने लगी। हालांकि पहले सावन में मायके जाना है या नहीं, ये किसी के लिए भी एक व्यक्तिगत फैसला है, लेकिन ज्योतिष की मानें तो शादी के बाद लड़कियों को पहला सावन मायके में ही मनाना चाहिए।

भाग्यशाली लोगों की हथेली पर मिलता है ऐसा निशान

35 साल की उम्र के बाद मिलता है किस्मत का साथ

शुज्योतिष शास्त्र की तरह ही हस्तशास्त्र में हथेली की लकीरों को देखकर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसके स्वभाव और भविष्य के बारे में जानकारी मिलती है। हाथों की रेखाएं आपकी किस्मत के बारे में काफी कुछ बताती हैं। तो वहीं हथेली की कुछ रेखाएं सफलता से जुड़ी होती है। हथेली में मौजूद इन रेखाओं से न सिर्फ आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि आपकी लव लाइफ भी काफी बेहतर होती है। इन लोगों को सच्चा जीवनसाथी मिलता है और आमदनी के कई मौके मिलते हैं। हस्तरेखा शास्त्र के मुताबिक यदि जातक की हथेली पर V का निशान होता है, तो ऐसे लोग जीवन में बहुत तरक्की करते हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हथेली में मौजूद V लकीर होने का क्या संकेत होता है।

हथेली में V का निशान

हथेली में भी V का निशान ऊपर की तरफ होता है। इस निशान के होने से व्यक्ति को एक आयु के बाद सफलता मिलती है। जिन भी जातकों की हथेली में यह निशान होता है, उनका भले ही काम न बन रहा हो, लेकिन एक समय के बाद आपको इस निशान का परिणाम देखने को जरूर मिलेगा।

35 साल की उम्र के बाद मिलता है भाग्य का साथ

हस्तरेखा एक्सपर्ट के मुताबिक मध्यमा और तर्जनी उंगली के बीच V का निशान होना शुभ होता है। इन जातकों का भाग्योदय 35 साल की उम्र के बाद होता है। हालांकि शुरूआत में इन लोगों को काफी मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन धीरे-धीरे इन लोगों को मेहनत का फल दोगुना मिलना शुरू होता है।

भाग्यशाली होते हैं ऐसे लोग

जिस व्यक्ति की हथेली में V का निशान होता है, उनको काफी ज्यादा भाग्यशाली माना जाता है। ऐसे लोग न सिर्फ जीवन में खुद तरक्की करते हैं, बल्कि इनका दांपत्य जीवन भी खुशियों से भरा होता है। वहीं जीवनसाथी के साथ इनका काफी अच्छा तालमेल होता है।

जीते हैं आलीशान जीवन

ऐसे लोग अपने जीवन में खूब धन कमाते हैं और यह जातक किसी बड़ी कंपनी में काम करते हैं, या फिर किसी पड़े पद पर नियुक्त होते हैं। इन जातकों की थोड़े ही कोशिश में सरकारी नौकरी भी लग जाती है। 30-35 साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते यह लोग जीवन में काफी कुछ कमा लेते हैं और आलीशान जीवन जीते हैं।

चुनौतियों से नहीं घबराते

हस्तरेखा एक्सपर्ट के मुताबिक जिन भी जातकों की हथेली में V का निशान होता है, वह कठिन से भी कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना करते हैं। ऐसे लोगों का व्यक्तित्व परेशानियों में निखरता है। यह चुनौतियों को अवसर की तरह लेते हैं और जीवन में तरक्की करते जाते हैं। बता दें कि इस जातकों का भाग्योदय 35 साल के बाद होना शुरू होता है। वहीं 40 साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते यह लोग राजाओं की तरह जीवन जीने लगते हैं।

रक्षाबंधन के दिन करें यह काम, तरक्की के खुलेंगे मार्ग

धन-समृद्धि का होगा आगमन

शुभता, विश्वास और सम्मान का प्रतीक 'रक्षाबंधन' इस बार 19 अगस्त को मनाया जाएगा। आपको बता दें, रक्षाबंधन का त्योहार न सिर्फ भाई-बहन को समर्पित होता है बल्कि धन समृद्धि और वैभव की दृष्टि से भी यह दिन बेहद खास माना जाता है। इस त्योहार का सीधा संबंध मां लक्ष्मी से भी होता है कि क्योंकि, उन्होंने इसी दिन राजा बलि को राखी बांधी थी। वैसे भी, यह दिन पूर्णिमा का होता है तो इसे कार्य सिद्धि के लिए सबसे शुभ माना जाता है। इस खास अवसर पर हम आपको बता रहे हैं रक्षाबंधन के दिन किए जाने वाले कुछ खास टोटके और उपाय जो आपको धन और वैभव प्रदान करते हैं। आपका घर रुपये-पैसों से भर जाता है।

सबसे पहले भगवान को बांधें राखी

ज्योतिष-शास्त्र के अनुसार, अगर भाई या बहन में किसी भी तरह की खटपट या मनमुटाव चल रहा है तो रक्षाबंधन के दिन भगवान गणेश जी को राखी बांधे। इसके साथ ही उनके सामने मनोकामना रखें। ऐसा करना बहुत ही शुभ माना जाता है। इसे भाई बहनों के बीच प्रेम बढ़ता है। सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

सुख-समृद्धि पाने के लिए

रक्षाबंधन के दिन गरीबों को भोजन कराएं। इस दिन गाय को हरी घास खिलाएं। ऐसा करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही जीवन में आनंद बढ़ता है।

समस्याएं दूर करने के लिए

यदि भाई-बहन की तरक्की में बाधाएं आ रही हैं, तो रक्षाबंधन के दिन पंचमेवा खीर का उपाय करना चाहिए। इसके लिए पहले मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करें और फिर कन्याओं को पंचमेवा की खीर बांटें। ये उपाय करियर में आ रही बाधाओं को दूर करता है।

भाई को नहीं लगेगी नजर

रक्षाबंधन के दिन बहनें पूजा की थाली में राखी के साथ फिटकरी का टुकड़ा रखें। राखी बांधने के बाद भाई के सिर से इस फिटकरी को 7 बार वार कर चौराहें पर फेंक दें। मान्यता है ये उपाय भाई को नजर दोष से बचाएगा।

भगवान सूर्य देव को जल अर्पित करें

रक्षाबंधन के दिन स्नान करने के बाद भगवान सूर्य देव को जल अर्पित करें। ऐसा करने से सोई किस्मत भी जाग जाएंगी। भगवान से सूर्य देव की कृपा से भाग्य चमक जाएगा।

संकट मोचन हनुमान जी को बांधें राखी

अगर आपका मंगल ग्रह कमजोर है तो रक्षा बंधन के दिन संकट मोचन हनुमान जी को राखी बांध दें। इसे सभी परेशानियां दूर हो जाएगी। साथ ही कुंडली में मंगल की स्थिति मजबूत होगी।

दरिद्रता दूर करने के लिए

कोई भी ऐसा पौधा जो वटवृक्ष के नीचे उगा हुआ हो, राखी के दिन उसे अपने घर के किसी गमले में लाकर लगा लें। ऐसा करने से दरिद्रता दूर होती है और घर में स्थाई लक्ष्मी का निवास होता है।

ऋण मुक्ति के लिए

रक्षाबंधन के दिन गेहूं के आटे में गुड़ मिलाकर पुए बनाएं और किसी हनुमान मंदिर में जाकर चढ़ाएं और गरीबों में बांट दें। कर्ज से मुक्ति मिल जाएगी और आपके पास भी धन आना शुरू हो जाएगा।

धन-समृद्धि के लिए

अगर आप अपार धन-समृद्धि चाहते हैं, तो रक्षाबंधन के दिन लाल रंग के मिट्टी के घड़े में नारियल रखकर उस पर लाल कपड़ा ढककर उसे बांधकर बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें।

कार्य सिद्धि के लिए

रक्षाबंधन के दिन गणेश जी के तस्वीर के सामने लौंग व सुपारी रखें। जब भी कहीं काम पर जाना हो, तो इस लौंग और सुपारी को साथ लेकर जाएं, तो काम बिना किसी बाधा के सिद्ध होगा।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृष — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

मिथुन — क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क — अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा।

सिंह — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे।

कन्या — उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

तुला — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी।

वृश्चिक — प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे।

धनु — घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। लोगों से कहासुनी हो सकती है। दुःखद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

मकर — पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुंभ — स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी।

मीन — मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा।

जन्म कुंडली के किस भाव को अत्यंत शुभ माना गया ?

लग्नेश को 6, 8, 12 भाव के स्वामित्व का दोष नहीं लगता।

5. परस्पर कारकः जब ग्रह अपनी उच्च, मूलत्रिकोण या स्वराशि के होकर केंद्र में स्थित होते हैं तो 'परस्पर कारक' (सहायक) होते हैं। दशम भाव में स्थित ग्रह अन्य कारकों से अधिक फलदायी होता है। कुछ आचार्य पंचम भाव में बलवान शुभ ग्रह को भी 'कारक' की संज्ञा देते हैं। 'मारक ग्रह' ज्योतिष ग्रंथों के अनुसार निम्न ग्रह पीड़ित होने पर अधिक हानिकारक (मारक) बन जाते हैं:-

1. अष्टमेश
2. अष्टम भाव पर दृष्टिपात करने वाले ग्रह।
3. अष्टम भाव स्थित ग्रह
4. द्वितीयेश और सप्तमेश
5. द्वितीय और सप्तम भाव स्थित ग्रह
6. द्वादशेश
7. 22वें द्रेष्कॉण का स्वामी
8. गुलिका स्थित भाव का स्वामी
9. 'गुलिका' से युक्त ग्रह।
10. षष्ठेश, व षष्ठ भाव में स्थित पापी ग्रह आदि।

'कारक' व 'मारक' फलादेश

1. एक बली 'कारक' ग्रह अपनी भाव स्थिति, स्वामित्व भाव और दृष्ट भाव को शुभता प्रदान करता है।
2. केंद्र (1, 4, 7, 10) भाव में स्थित 'कारक' की दशा पूर्ण शुभ फल देती है। पनफर (2, 5, 8, 11) भाव में स्थित 'कारक' की दशा मध्यम फल' और अपोक्लिम (3, 6, 9, 12) भाव में स्थित 'कारक' की दशा साधारण फल देती है। यह फलादेश ग्रह की दशा-भुक्ति में जातक को प्राप्त होता है।
3. पापकत्तरी योग में तथा पाप दृष्ट 'कारक' के शुभ फल में कमी आती है।
4. वक्री 'कारक' शुभ ग्रह अधिक शुभ फलदायी होता है।
5. किसी भाव का 'कारक' यदि उसी भाव में स्थित हो तो उस भाव संबंधी फल में कमी या कठिनाई देता है। यह स्थिति 'कारको भाव नाशाय' के नाम से प्रसिद्ध है।
6. एक 'कारक' ग्रह की दशा में अन्य 'कारक' की भुक्ति उत्तम फलदायी होती है।
7. 'कारक' ग्रह की दशा में संबंधित 'मारक' ग्रह की भुक्ति निम्न फल देती है।
8. यदि 'कारक' और 'मारक' ग्रहों में दृष्टि आदि का संबंध न हो तो 'मारक' ग्रह की भुक्ति कष्टकारी होती है।
9. एक 'मारक' ग्रह की दशा में अन्य 'मारक' ग्रह की भुक्ति अत्यंत अशुभ फल देती है।
10. जब किसी भाव का 'कारक' उस भाव से 1, 5, 9 भाव में गोचर करता है और बलवान (स्वक्षेत्री या उच्च) होता है तो उस भाव का उत्तम फल व्यक्ति को मिलता है।
11. गोचर में भावेश और भाव 'कारक' की युति, दृष्टि आदि संबंध होने पर उस भाव संबंधी शुभ फल प्राप्त होता है।

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

'पीडीए' आधार मजबूत करने के लिए युवाओं और छात्रों को साधेगी सपा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) लोकसभा चुनावों में अपनी 'पीडीए' रणनीति की सफलता के बाद अब उत्तर प्रदेश में अपने कैडर आधार को मजबूत करने के लिए पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों एवं युवाओं को साधेगी। सपा ने युवाओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक महीने तक चलने वाला 'पीडीए-छात्र, नौजवान जागृति अभियान' शुरू किया है। 'पीडीए' पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के लिए दिया गया संक्षिप्त नाम है। कहा जाता है कि लोकसभा चुनाव में 'पीडीए' रणनीति की बदौलत सपा को उत्तर प्रदेश की 80 में से 37 सीटें जीतने में मदद मिली थी। सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी ने बताया, 'इस अभियान में छात्रों और युवाओं को प्रश्नपत्र लीक, फीस वृद्धि, रोजगार, मुफ्त शिक्षा, पुस्तकालय निर्माण, छात्रसंघ बहाली, नये विश्वविद्यालय/कॉलेज की स्थापना, शैक्षणिक संस्थानों में नियुक्तियों में भ्रष्टाचार और आरक्षण में पारदर्शिता समेत जनहित के विभिन्न मुद्दों के बारे में जागरुक किया जाएगा।'

'शिक्षण संस्थाओं में सकल नामांकन अनुपात 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को अगले 10 साल में बढ़ाकर 50 फीसदी से अधिक करने का है जो फिलहाल लगभग 25 प्रतिशत है। आदित्यनाथ ने रविवार को प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिगत अब तक हुए क्रियान्वयन तथा भावी योजनाओं/कार्यक्रमों की समीक्षा की। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की मंशा उच्च शिक्षण संस्थानों में आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण, सार्वभौमिक एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश एनईपी को लागू करने वाला अग्रणी राज्य रहा है। उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश ने एक मंडल विश्वविद्यालय का लक्ष्य पूरा कर लिया है और अब हम एक जिला-एक विश्वविद्यालय की ओर बढ़ रहे हैं।' बैठक में मुख्यमंत्री ने महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के प्रयासों के अच्छे परिणामों की चर्चा करते हुए कहा, 'सकल नामांकन अनुपात को बेहतर करने में इन नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से सहायता मिल रही है और वर्तमान में उच्च शिक्षण संस्थानों में जीईआर लगभग 25 प्रतिशत है।

देवघर जा रहे कांवरिया की करंट लगने से मौत

बस की छत पर कांवर रखने के दौरान आया चपेट में

एजेंसी | असरगंज

श्रावणी मेला 2024 के दौरान करंट लगने से एक और कांवरिया की मौत हो गयी है। हादसा सुल्तानगंज से देवघर के बीच असरगंज में शाहकुंड मोड के करीब हुआ है। जहां एक बस के ऊपर कांवर रखने के दौरान हाई टेंशन तार में सटने से श्रद्धालु की मौत हो गयी। इस घटना से हर तरफ सनसनी फैली हुई है। करंट की चपेट में आकर इसी तरह एक और कांवरिया की मौत हाल में ही हुई थी। वहीं रविवार को हुई इस घटना में जान गंवाने वाला कांवरिया किशनगंज जिले का रहने वाला है।

बस की छत पर कांवर रखने के दौरान करंट लगा

मिली जानकारी के अनुसार, असरगंज में कच्ची कांवरिया पथ पर शाहकुंड मोड के पास एक कांवरिया बस पर सवार हो रहा था। बस की छत पर कांवर रखने के दौरान वह ऊपर से गुजर रहे हाई टेंशन तार के संपर्क में आ गया। तार के संपर्क में आकर कांवरिया की मौत हो गयी। वहीं इस घटना से चारो तरफ अफरा-तफरी मच गयी।

किशनगंज का रहने वाला है कांवरिया

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। वहीं लोग आनन-फानन में बस से बाहर आए। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी। मृतक की पहचान किशनगंज के रहने वाले हैं कारिया भक्त राज (35 वर्षीय) के रूप में हुई है। जो सुल्तानगंज से गंगाजल भरकर कांवर लेकर देवघर जा रहा था।

बस का टायर पूरी तरह जल गया, बाल-बाल बचे लोग

वहीं हाई वोल्टेज करंट वाले तार के संपर्क में कांवरिया आया तो करंट पूरे बस में दौड़ गया। बस में अन्य श्रद्धालु व यात्री भी सवार थे जो आनन-फानन में बाहर निकले और अपनी जान उन्होंने बचायी। जबकि करंट का असर इतना अधिक था कि बस का एक टायर पूरी तरह जल गया।

पैदल चल रहे थे भाई-बहन, बहन हुई लाचार तो बस से जाने लगी देवघर

मिली जानकारी के अनुसार, किशनगंज से भाई-बहन मिलकर सुल्तानगंज से जल भरकर बाबाधाम देवघर रवाना हुए थे। दोनों पैदल जा रहे थे। असरगंज में शाहकुंड मोड के पास महिला ने पैदल चलने में असमर्थता जताते हुए अपने भाई से कहा कि उसे बस पकड़ा दे। ताकि वो बस में सवार होकर अपना जल लेकर देवघर जा सके। जिसके बाद भक्त राज अपनी बहन की कांवर को बस की छत पर रखने लगा। जहां बस खड़ी थी उसके ठीक ऊपर हाई वोल्टेज करंट का तार जा रहा था। कांवर रखने के दौरान भक्त राज करंट वाले तार के संपर्क में आ गया और उसकी मौत हो गयी।

आरक्षण की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश में भाजपा : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण में उप-वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर' के विवाद के बीच रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुकदमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमज़ोर करने की कोशिश करती है। सपा प्रमुख ने रविवार को 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में कहा, 'किसी भी प्रकार के आरक्षण का मूल उद्देश्य उपेक्षित समाज का सशक्तीकरण होना चाहिए, न कि उस समाज का विभाजन या विघटन। इससे आरक्षण के मूल सिद्धांत की ही अवहेलना होती है।' यादव ने दावा किया, 'अनगिनत पीढ़ियों से चले आ रहे भेदभाव और मौकों की गैर-बराबरी की खाई चंद पीढ़ियों में आए परिवर्तनों से पाटी नहीं जा सकती।' उन्होंने कहा कि 'आरक्षण' शोषित, वंचित समाज को सशक्त और सबल करने का सांविधानिक मार्ग है, इसी से बदलाव आएगा, इसके प्रावधानों को बदलने की आवश्यकता नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'भाजपा सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुक़दमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमज़ोर करने की कोशिश करती है, फिर जब पीडीए (पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक) के विभिन्न घटकों का दबाव पड़ता है, तो दिखावटी सहानुभूति दिखाकर पीछे हटने का नाटक करती है।' सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा की अंदरूनी सोच सदैव आरक्षण विरोधी रही है और इसीलिए भाजपा पर से 90 फीसदी पीडीए समाज का भरोसा लगातार गिरता जा रहा है। यादव ने

आरोप लगाया, 'आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की विश्वसनीयता शून्य हो चुकी है। पीडीए के लिए 'संविधान' संजीवनी है, तो 'आरक्षण' प्रायवायु!।'

उच्चतम न्यायालय के एक अगस्त के एक फैसले में राज्यों को एससी एवं एसटी के बीच 'क्रीमी लेयर' की पहचान करने के लिए एक नीति बनाने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को कहा कि भीम राव आंबेडकर के दिए संविधान में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के आरक्षण में 'मलाईदार तबके' (क्रीमी लेयर) के लिए कोई प्रावधान नहीं है।'क्रीमी लेयर' का तात्पर्य एससी एवं एसटी समुदायों के उन लोगों और परिवारों से है जो उच्च आय वर्ग में आते हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में संवाददाताओं को बताया था कि मंत्रिमंडल का यह सुविचारित मत है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार डॉ. आंबेडकर के दिए संविधान के प्रावधानों के प्रति प्रतिबद्ध है।

सुहागनगरी को योगी सरकार की सौगात

190 करोड़ से नेशनल हाइवे पर बनेंगे दो फ्लाई ओवर

फिरोजाबाद। देश में सुहाग की नगरी के लिए सुप्रसिद्ध फिरोजाबाद शहर को जाम के झाम से मुक्ति दिलाने के लिए योगी सरकार ने करोड़ों रुपए की सौगात दी है। जिनसे शहर से होकर गुजरने वाले नेशनल हाइवे पर दो फ्लाई ओवर का निर्माण होगा। इनके बनने से आमजन को जाम व आए दिन होने वाले हादसे से बड़ी राहत मिलेगी। आगरा से कानपुर जाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग से शहर होकर गुजरना होता है। इस राजमार्ग पर कई प्रमुख चौराहे हैं जिन पर शहर के आमजन के आने जाने की भारी भीड़ रहती है। एक फ्लाई ओवर पहले से बना है जो तीन चौराहों जलेसर रोड, बोधाश्रम व कोटला चुंगी के ऊपर से गुजरता है। लेकिन इसके बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई ऐसे चौराहे हैं जिन पर भारी भीड़ रहती है। जिससे आमजन को आए दिन जाम में फंसना पड़ता है तथा आए दिन हादसे भी होते हैं। इसी को देखते हुए भाजपा सदर विधायक मनीष असीजा ने प्रदेश की योगी सरकार से इन प्रमुख चौराहों पर दो फ्लाई ओवरों के निर्माण कार्य को स्वीकृत कराया है।

बसपा उप्र की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेगी : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को ऐलान किया कि निकट भविष्य में राज्य की 10 रिक्त विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में उनकी पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी और पूरे दमखम से चुनाव लड़ेगी। मायावती ने लखनऊ में प्रदेश कार्यालय में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की एक समीक्षा बैठक में उपचुनाव लड़ने की घोषणा की। अमूमन उपचुनावों से दूर रहने वाली बसपा ने इस उपचुनाव को पूरे दमखम से लड़ने का फैसला किया है। बसपा मुख्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, मायावती ने कहा, 'लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में रिक्त हुई 10 विधानसभा सीटों पर प्रस्तावित उपचुनावों के लिए अभी चुनाव की तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन इसे

लेकर सरगर्मी लगातार बढ़ रही है।' मायावती ने कहा कि खासकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सरकार द्वारा इसे (उपचुनाव को) प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेने के कारण इन उपचुनावों में लोगों की रुचि काफी बढ़ी है, लिहाज़ा बसपा ने भी इन उपचुनावों में सभी (10) सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने और पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बसपा प्रमुख ने इस बयान की प्रति अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर भी साझा की। उन्होंने आग्रह किया कि चूंकि, बसपा गरीबों, वंचितों और पीड़ितों की पार्टी है तथा दूसरे दलों की तरह यह बड़े पूंजीपतियों और धन्नासेठों के सहारे और इशारे पर नहीं चलती है, इसलिए इसके समर्थक पूरे तन-मन-धन से सहयोग कर पार्टी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाएं।

राज्य में 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की कुल 403 सीटों में से सिर्फ एक सीट जीतने और लोकसभा चुनाव में पूरी तरह सफाया होने के बाद बसपा की उम्मीदें उपचुनावों पर टिकी हैं। आरक्षण को लेकर अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अंदर उप-वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर' संबंधी मामलों के बीच बसपा प्रमुख अब पूरे तेवर में दिख रही हैं।

व्यापार जगत

एआई आने से कारोबारों का साइबर जोखिम बढ़ा, बचाव पर निवेश जरूरी: कैस्परस्काई

नेगोम्बो (श्रीलंका)। कृत्रिम मेधा (एआई) को तेजी से अपनाने से वृद्धि को बढ़ावा मिला है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधियों के लिए भी परिष्कृत हमलों में एआई का दुरुपयोग करने के रास्ते खुल गए हैं। वैश्विक साइबर सुरक्षा और डिजिटल प्राइवेसी कंपनी कैस्परस्काई ने इन जोखिमों का जिक्र करते हुए कहा है कि उसने नए युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यवसायों के सक्रिय साइबर सुरक्षा में निवेश करने की जरूरत पर प्रकाश डाला है। कैस्परस्काई ने कहा कि वह अपने उत्पादों में एआई का समावेश कर रही है तथा खतरों का मुकाबला करने तथा प्रौद्योगिकियों को साइबर हमलों के नए और उभरते रूपों के प्रति अधिक प्रतिरोधी बनाकर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए एआई मॉडलों का उपयोग कर रही है। साइबर सुरक्षा कंपनी ने चेतावनी देते हुए कहा कि साइबर अपराधी दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर लाने और कई उपयोगकर्ताओं के विरुद्ध स्वचालित हमले करने के लिए नए तरीकों से एआई का उपयोग कर रहे हैं। इनमें चैटजीपीटी के उपयोग से लेकर उपयोगकर्ताओं के स्मार्टफोन इनपुट की निगरानी के लिए एआई प्रोग्राम का दुरुपयोग करना (संभावित रूप से संदेश, पासवर्ड और बैंक कोड कैप्चर करना) तक शामिल है। कंपनी ने 2023 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उसने दुनिया भर में 2,20,000 कारोबारों को इन जोखिमों से बचाने में मदद की और अपने समाधानों और उत्पादों के साथ लगभग 6.1 अरब हमलों को रोका। इस दौरान, 3,25,000 विशिष्ट उपयोगकर्ताओं को बैंकिंग ट्रोजन पर आधारित संभावित धन चोरी से बचाया गया। कंपनी ने 2024 में हर दिन औसतन 4,11,000 से अधिक दुर्भावनापूर्ण नमूनों का पता लगाया है, जबकि एक साल पहले यह संख्या 4,03,000 थी। कैस्परस्काई में वैश्विक शोध एवं विश्लेषण टीम के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ विटाली कामलुक ने कहा, 'जितने साइबर हमले हो रहे हैं, वे केवल मानव संसाधनों से संभव नहीं हैं। हमलावर स्वचालन का उपयोग करते हैं एआई का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं।' इसके साथ ही उपयोगकर्ताओं को साइबर जोखिम से बचने के लिए अपना पासवर्ड भी पर्याप्त मजबूत रखने की जरूरत है। कैस्परस्काई के प्रमुख डेटा वैज्ञानिक एलेक्सी एंटोनोव ने कहा, 'करीब 32 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं के पासवर्ड पर्याप्त मजबूत नहीं हैं। उन्हें सरल ब्रूट-फोर्स एल्गोरिदम और आधुनिक जीपीयू 4090 का उपयोग करके 60 मिनट से भी कम समय में हासिल किया जा सकता है।'

आपूर्ति बढ़ने से इस्पात की कीमतें तीन साल के निचले स्तर पर: रिपोर्ट

नई दिल्ली। आयात बढ़ने के कारण घरेलू इस्पात की कीमतें तीन साल के निचले स्तर पर आ गई हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। बाजार शोध कंपनी बिगमिंट ने एक रिपोर्ट में कहा कि हॉट रोल्ड कॉइल्स (एचआरसी) की कीमत गिरकर अब 51,000 रुपये प्रति टन पर आ गई हैं जो अप्रैल, 2022 में 76,000 रुपये प्रति टन थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, कोल्ड रोल्ड कॉइल्स (सीआरसी) की कीमत अप्रैल, 2022 में 86,300 रुपये प्रति टन से गिरकर 58,200 रुपये प्रति टन हो गई है। इन कीमतों में वस्तु पर लगने वाला 18 प्रतिशत जीएसटी शामिल नहीं है। बिगमिंट ने कहा, 'भारत में एचआरसी और सीआरसी की दरें तीन साल के निचले स्तर पर कारोबार कर रही हैं। आयात में उछाल से घरेलू कीमतों पर असर पड़ा है, जिससे मांग प्रभावित हुई है।' आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में आयात 68 प्रतिशत बढ़कर 19.3 लाख टन हो गया, जो 2023-24 की समान अवधि में 11.5 लाख टन था। इस्पात आयात 2023-24 में 38 प्रतिशत बढ़कर 83.19 लाख टन हो गया है, जो भारत को इसका शुद्ध आयातक बनाता है।

फोकस्ड म्यूचुअल फंड का संपत्ति आधार जून तिमाही में 31 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सीमित शेयरों में निवेश करने वाले फोकस्ड म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इस श्रेणी का परिसंपत्ति आधार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 31 प्रतिशत बढ़कर 1.43 लाख करोड़ रुपये हो गया है। फोकस्ड म्यूचुअल फंड एक तरह का इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो सीमित या कम संख्या में शेयरों में निवेश करता है। बाजार नियामक सेबी की तरफ से फोकस्ड फंड को अधिकतम 30 शेयरों में निवेश करने की अनुमति देने के दिशानिर्देश हैं। उद्योग जगत के आंकड़ों से पता चलता है कि इन्वेस्को इंडिया फोकस्ड फंड, महिंद्रा मनुलाइफ फोकस्ड फंड, जेएम फोकस्ड फंड और एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड जैसे कुछ फोकस्ड फंड ने पिछले साल में 40-60 प्रतिशत तक का उल्लेखनीय रिटर्न दिया है।

फोकस्ड म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर को शेयरों के चयन में बेहद सजगता दिखानी होती है क्योंकि उन्हें किसी विशिष्ट बाजार मूल्यांकन या क्षेत्र के प्रति पूर्वाग्रह के बिना बाजार में सर्वोत्तम निवेश अवसरों की पहचान करनी होती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, फोकस्ड फंडों की प्रबंधन-अधीन संपत्ति (एयूएम) चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 1.43 लाख करोड़ रुपये हो गई जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 1.09 लाख करोड़ रुपये थी। आनंद राठी

वेल्थ लिमिटेड के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी फिरोज अजीज ने कहा कि एयूएम में यह बढ़ोतरी पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं (पीएमएस) के विकल्प के रूप में फोकस्ड फंडों के आकर्षण को दर्शाती है। खासकर हालिया कर बदलावों ने उच्च लागत और कर प्रभावों के कारण पीएमएस को कम आकर्षक बना दिया है। उद्योग के जानकार मौजूदा बाजार परिवेश में समझदार रणनीति के रूप में व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) के जरिये फोकस्ड फंड में निवेश करने की सलाह देते हैं। ये फंड कम शेयरों में निवेश करते हैं लिहाजा एसआईपी समय के साथ निवेश बढ़ाकर जोखिम कम करने में मदद कर सकते हैं।

कुल मिलाकर इस श्रेणी में विभिन्न म्यूचुअल फंड हाउस 31 केंद्रित योजनाएं पेश करते हैं। इन योजनाओं ने पिछले एक साल में 19-60 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

रिलायंस की चालू वित्त वर्ष में पहली सौर गीगा-फैक्टरी चालू करने की योजना

नई दिल्ली। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड चालू वित्त वर्ष में अपनी पहली सौर गीगा-फैक्टरी चालू करने की योजना बना रही है। कंपनी वर्ष 2035 तक परिचालन से शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के दिशा में बढ़ रही है। रिलायंस ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि उसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) विनिर्माण संयंत्र के

पहले चरण को चालू करना और 2026 तक चरणबद्ध तरीके से इसे 20 गीगावाट तक बढ़ाना है। सौर गीगा-फैक्टरी में एक ही स्थान पर पीवी मॉड्यूल, सेल, वेफर्स और सिल्लियां, पॉलीसिलिकॉन और ग्लास का निर्माण होगा। कंपनी ने 2025 में मेगावाट स्तर पर सोडियम-आयन सेल उत्पादन का औद्योगिकीकरण करने और 2026 में पहली बार 50 मेगावाट घंटा (एमडब्ल्यूएच) प्रति वर्ष लिथियम बैटरी सेल बनाने का लक्ष्य भी तय किया है। रिलायंस ने 2021 में घोषणा की थी कि वह वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पर आधारित एक नया ईंधन व्यवसाय तैयार करने के लिए तीन वर्षों में 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। इस योजना के तहत गुजरात के जामनगर में नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण, बैटरी भंडारण, ईंधन सेल और हाइड्रोजन के निर्माण के लिए चार गीगा कारखाने स्थापित किए जाने हैं।

लेम्बोर्गिनी ने भारत में दीर्घकालिक संभावनाओं को लेकर बड़ा दांव लगाया

नई दिल्ली। इटली की सुपर लग्जरी वाहन विनिर्माता ऑटोमोबाइल लेम्बोर्गिनी को भारत में तेजी से वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि भारत में एशिया प्रशांत क्षेत्र में शीर्ष बाजार बनने की क्षमता है। ऑटोमोबाइल लैम्बोर्गिनी के एशिया प्रशांत क्षेत्र के निदेशक फ्रांसिस्को स्कार्डाओनी ने कहा कि कंपनी ने 2023 में रिकॉर्ड 103 गाड़ियां बेची थीं और उनकी इच्छा 2026 में सालाना

बिक्री का आंकड़ा 150 पार करने की है। स्कार्डाओनी ने कहा, 'मात्रा के मामले में भारत दुनिया में 14वें नंबर पर है और एशिया प्रशांत क्षेत्र में छठे नंबर पर है। प्रतिशत के मामले में यह सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है।' उन्होंने कहा कि साल 2023 में लैम्बोर्गिनी ने वाहन बिक्री में दुनियाभर में 10,000 का आंकड़ा पार किया था और भारत में 100 से ज्यादा गाड़ियां बेची थीं।

ओलंपिक मुक्केबाजी चैंपियन खेलीफ ने ऑनलाइन उत्पीड़न के खिलाफ कानूनी शिकायत दर्ज कराई

एजेंसी | पेरिस

ओलंपिक मुक्केबाजी चैंपियन इमाने खेलीफ ने पेरिस ओलंपिक के दौरान अपनी लिंग जांच के झूठे दावों के साथ ऑनलाइन उत्पीड़न के खिलाफ फ्रांस में कानूनी शिकायत दर्ज की है। उनके वकील ने रविवार को यह जानकारी दी। खेलीफ शुक्रवार को महिला वेल्टरवेट वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल कर अपने देश अल्जीरिया के लिए बड़ी हस्ती बन गयी। वकील नबील बौदी ने कहा कि ऑनलाइन नफरत फैलाने वाले पोस्ट और भाषण से निपटने के लिए पेरिस अभियोजक के कार्यालय में शुक्रवार को शिकायत दर्ज की गई थी, जिसमें खेलीफ को निशाना बनाकर 'गंभीर साइबर उत्पीड़न' का आरोप लगाया गया था।

उन्होंने इसे खेलीफ के खिलाफ 'महिला द्वेषपूर्ण, नस्लवादी और लिंगवादी अभियान' बताया। अब यह अभियोजकों पर निर्भर है कि वे जांच शुरू करें या नहीं। फ्रांस की कानून में इस तरह की शिकायत में किसी कथित अपराधी का नाम नहीं होता है, लेकिन यह जांचकर्ताओं पर छोड़ दिया जाता है कि वह यह निर्धारित करे कि गलती किसकी हो सकती है। खेलीफ ने इस ओलंपिक के अपने शुरुआती मैच में इटली की प्रतिद्वंद्वी एंजेला कारिनी के मुकाबले के महज 46 सेकेंड बाद हटने से जीत दर्ज की थी। कारिनी ने आरोप लगाया कि खेलीफ के मुक्कों से उन्हें काफी तेज चोट लग रही है। वह भावुक होकर रिंग से बाहर निकली जिसके बाद सोशल मीडिया पर खेलीफ को ट्रांसजेंडर या पुरूष होने का दावा किया गया। खेलीफ ने कहा कि उनके बारे में गलतफहमियां फैलाना 'मानवीय गरिमा को नुकसान पहुंचाता है।'

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा प्रतिबंधित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) ने दावा किया था कि खेलीफ और ताइवान की लिन यू-टिंग 2023 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लिंग पात्रता परीक्षण में विफल रही थी। आईबीए पर प्रतिबंध के बाद आईओसी के कार्यबल तोक्यो ओलंपिक के बाद पेरिस में भी मुक्केबाजी का संचालन किया। आईओसी ने आईबीए द्वारा इन दोनों पर लगाए गए मनमाने लिंग परीक्षण को बेहद दोषपूर्ण बताया है और पेरिस खेलों की शुरुआत से ही दोनों मुक्केबाजों का बचाव किया है।

रेड कार्ड मिलने के बाद रात को सो नहीं पाया था: रोहिदास

एजेंसी | पेरिस

भारतीय हॉकी खिलाड़ी अमित रोहित को पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल मैच से निलंबित होने के कारण रात को सो नहीं सके थे लेकिन वह टीम के साथी खिलाड़ियों के आभारी है कि ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में रेड कार्ड मिलने पर किसी ने उन पर सवाल नहीं उठाया। रोहिदास को इस अंतिम आठ मैच से बाहर होने के कारण भारतीय टीम को आखिरी 42 मिनट तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। भारतीय टीम ने इस ओलंपिक में अपना अभियान कांस्य पदक के साथ किया। ओलंपिक हॉकी में यह भारत का कुल 13वां पदक था। रोहिदास ने यहां इंडिया हाउस में शनिवार को टीम के सम्मान समारोह के दौरान कहा, 'एक मैच के निलंबन के कारण मुझे सेमीफाइनल मैच से बाहर होने का मलाल है। यह काफी अहम मैच था।' उन्होंने कहा, 'पूरा देश और मेरे साथी खिलाड़ी मेरे साथ थे। टीम ने कभी भावनात्मक रूप से बाहर होने नहीं दिया। मेरा ध्यान बस अगले मैच पर था।' इस 31 साल के खिलाड़ी को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ खेले गए मैच में अंतिम हूटर बजने से 42 मिनट पहले मैदान से बाहर भेज दिया गया था क्योंकि उनकी स्टिक अनजाने में प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी विल कैलनान पर लग गई थी। मैदानी अंपायर ने इस गंभीर नहीं माना था लेकिन वीडियो रेफरल के बाद उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा। इस फैसले के कारण रोहिदास जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के लिए निलंबित हो गये। भारत को इस करीबी मैच में 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

रोहिदास ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'मुझे नहीं पता कि लोग बाहर क्या कह रहे हैं, लेकिन एक खिलाड़ी के तौर पर मैं जानता हूं कि मैं किस दौर से गुजरा हूं। यह जानबूझकर नहीं था, और रेफरी का निर्णय खेल का हिस्सा है।' उन्होंने कहा कि मुझे इस टीम पर काफी गर्व है। रोहिदास ने कहा, 'एक खिलाड़ी के कम होने के बावजूद शूट-आउट में जीत हासिल करना मेरे लिए बहुत गर्व की बात थी। हमने अपने देशवासियों को दिखाया कि हम संख्या कम होने के बावजूद कैसे लड़ सकते हैं। हम 10 खिलाड़ियों के साथ जीत हासिल करने के साथ 52 साल के बाद ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त देने में सफल रहे। रोहिदास से जब पूछा गया कि तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक को टीम स्वर्ण या रजत पदक में बदलने में नाकाम रही और क्या उन्हें इसका मलाल है तो उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि पदक का रंग बदल सकता था, लेकिन यह सब नियति है आप कुछ भी नहीं बदल सकते। अच्छी बात यह है कि हम खाली हाथ नहीं लौट रहे हैं।

भविष्य में भारतीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच कोई भारतीय होना चाहिए : मनोलो मार्केज

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच बनना मनोलो मार्केज के लिए सपना सच होने जैसा है लेकिन रविवार को इस स्पेनिश खिलाड़ी ने कहा कि भविष्य में अगर कोई भारतीय ही राष्ट्रीय टीम को कोचिंग दे तो बेहतर होगा। पिछले महीने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने इगोर स्टिमक की जगह 55 वर्षीय मार्केज को तीन साल के लिए राष्ट्रीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया था। मार्केज 2024-25 सत्र के दौरान एफसी गोवा के मुख्य कोच के तौर पर अपनी भूमिका जारी रखेंगे। वह क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों की जिम्मेदारियां संभालेंगे। इसके बाद वह 2025 से पूरी तरह से भारतीय टीम की कोचिंग की भूमिका संभाल लेंगे।

भारत के मुख्य कोच के रूप में अपनी नियुक्ति के बाद पहली प्रेस कांफ्रेंस में मार्केज ने कहा, 'स्पेन के अलावा मैंने भारत में सबसे ज्यादा साल बिताए हैं। बहुत समय पहले मैंने सोचा था कि मैं राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच बनना चाहूंगा और अब मैं यहां हूं। यह सपना सच होने जैसा है।' मार्केज ने कहा, 'भविष्य में राष्ट्रीय टीम का कोच एक भारतीय होना चाहिए क्योंकि उसे (भारतीय) बेहतर तरीके से पता होगा कि देश कैसे काम करता है और वह देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों को जानता है। इसलिए आने वाले वर्षों में भारतीय फुटबॉल का लक्ष्य यही होना चाहिए।' वह 2020 से भारत में हैं। उन्होंने हैदराबाद एफसी के साथ तीन सत्र और एफसी गोवा के साथ एक सत्र (2023-24) बिताया है। उनका पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट तीन टीमों का इंटर कांटिनेंटल कप होगा जिसकी मेजबानी भारत तीन से नौ सितंबर तक हैदराबाद में करेगा।

सिफान हसन ने जीती पेरिस ओलंपिक की महिला मैराथन

एजेंसी | पेरिस

सिफान हसन ने रविवार को यहां पेरिस खेलों में ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ महिला वर्ग की मैराथन रेस जीत ली। उन्होंने दो घंटे, 22 मिनट और 55 सेकेंड का समय निकालकर ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया और टिग्स्ट असेफा को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। यह सिफान हसन का पेरिस ओलंपिक में तीसरा पदक है। उन्होंने 5,000 और 10,000 मीटर का भी कांस्य पदक जीता है। असेका को रजत और कीनिया की हेलेन ओबिरी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। सिफान हसन इस तरह छह ओलंपिक पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने तोक्यो ओलंपिक में 5,000 मीटर और 10,000 मीटर रेस जीती थी जबकि 1500 मीटर में तीसरे स्थान पर रही थीं। परंपरा को तोड़ते हुए पहली बार महिला ओलंपिक मैराथन अंतिम दिन कराई गई जबकि पहले पुरुष मैराथन कराई जाती थी।

प्रज्ञानानंदा को सेंट लुई रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी | सेंट लुई (अमेरिका)

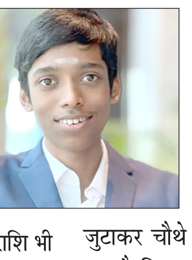

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा यहां शुरू हो रहे सेंट लुई रेपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में एक बार फिर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भिड़ेंगे। हाल के टूर्नामेंट में प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट के बावजूद प्रज्ञानानंदा ग्रैंड शतरंज टूर की अंतिम तालिका में पोडियम पर जगह बनाना चाहेंगे। इससे उन्हें बोनस नकद पुरस्कार राशि भी मिलेगी। अब तक के समग्र टूर परिणामों में तीसरे स्थान पर चल रहे प्रज्ञानानंदा के पास अपनी स्थिति सुधारने के लिए लगातार दो टूर्नामेंट हैं। वह रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट के तुरंत बाद वह सिंकफील्ड कप में हिस्सा लेंगे जहां उनके साथ हमवतन और विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश भी चुनौती पेश करेंगे। रोमानिया के बुखारेस्ट और क्रोएशिया के जाग्रेब में दो लगातार जीत के साथ पिछले साल के टूर विजेता अमेरिका के फैबियानो करुआना 22.25 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा 17.58 अंक के साथ दूसरे जबकि प्रज्ञानानंदा 16.25 अंक के साथ तीसरे पायदान पर हैं। गुकेश भी उनसे बहुत पीछे नहीं हैं। वह 14.25 अंक जुटाकर चौथे स्थान पर हैं लेकिन उनके लिए समस्या यह है कि उनके पास केवल एक ही प्रतियोगिता बची है जबकि शीर्ष तीन खिलाड़ी सभी चार प्रतियोगिताओं में खेलेंगे। यहां रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में रूस के इयान नेपोमनियाची, फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव और अमेरिका के वेस्ली सो जैसे खिलाड़ी एक बार फिर नजर आएंगे।

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की सगाई का वीडियो आया सामने

साउथ एक्टर नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला ने 8 अगस्त को सगाई की है। दोनों की सगाई की तस्वीरें नागा के पिता नागार्जुन ने शेयर किया था। सगाई की तस्वीरें सामने आते ही फैंस हैरान हो गए थे। नागा ने तस्वीरें पोस्ट करने के साथ अपनी नई बहू का स्वागत किया। नागा चैतन्य और शोभिता के रिश्ते को लेकर कई बार सोशल मीडिया पर खबरें सामने आ चुकी थीं, लेकिन उन्होंने हर बार इसे दोस्ती का नाम दिया। ऐसे में अब दोनों ने सगाई कर फैंस को सरप्राइज कर दिया। इसी बीच अब शोभिता धुलिपाला की सगाई का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में होनी वाली दुल्हन तैयार होने और कैमरे के सामने पोज देते वक्त शरमाती नजर आ रही हैं।

सामने आया सगाई का वीडियो

शोभिता धुलिपाला की सगाई का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो को रेडिट डॉट पर शेयर किया गया है। वीडियो की शुरुआत में शोभिता पहले बाथरोब पहने हुए अपनी हेयर स्टाइल बनवाती नजर आ ही हैं। इसके बाद वो अपनी सगाई वाली ड्रेस में सामने आती हैं। शोभिता के चेहरे पर सगाई की खुशी साफ नजर आ रही है। पिंक कलर की ड्रेस और बालों में गजरा लगाए हुए शोभिता बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। शोभिता कभी झूले पर बैठकर तो कभी चलते हुए पोज देती दिख रही हैं। इस दौरान शोभिता खुश होने के साथ ही शरमाती भी नजर आ रही हैं।

ब्रेकअप की खबरों के बीच कुशा कपिला ने अर्जुन कपूर को दिया ये हैशटैग

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर का नाम बीते काफी वक्त एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा संग रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहा। मलाइका और अर्जुन ने हमेशा ही सोशल मीडिया पर रिश्ते को सबके सामने खुलकर एक्सेप्ट किया।

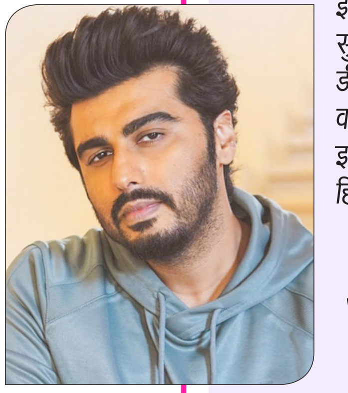

दोनों की जोड़ी को फैंस भी काफी पसंद करते थे। हालांकि, उनके ब्रेकअप की अफवाहों ने सभी को चौंका दिया। बीते कुछ दिनों से दोनों के ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। इन बातों ने तब ज्यादा तूल पकड़ी जब अर्जुन के बर्थडे पर मलाइका ने उन्हें विश नहीं किया। अर्जुन ब्रेकअप की इन अफवाहों के अलावा, कुछ और अफवाहों में भी घिरे। कहा जा रहा है कि वह अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कुशा कपिला को डेट कर रहे हैं।

कुशा ने दिया अर्जुन को ये टैग

कुशा कपिला की लेटेस्ट वेब सीरीज 'लाइफ हिल गई' ओटीटी पर रिलीज हो गई है। इन दिनों कुशा अपनी इस सीरीज के प्रमोशन में जुटी हैं। ऐसे में कुशा ने अपने हालिया इंटरव्यू में अर्जुन कपूर को लेकर पूछे गए सवाल पर एक्टर को ऐसा हैशटैग दिया, जिससे वो फिर से चर्चा में आ गई हैं। फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत में जब कुशा से अर्जुन को एक हैशटैग देने के लिए कहा तो थोड़ा सोचने के बाद उन्होंने अर्जुन को '#कपूर' का टैग दिया। बस फिर क्या था एक बार फिर से उनके रिश्ते को लेकर बातें शुरू हो गई हैं। दरअसल, पिछले साल करण जौहर के घर पर हुई पार्टी हुई थी। इस पार्टी में अर्जुन कपूर और कुशा कपिला एक साथ पोज देते नजर आए। इस दौरान की तस्वीरें जैसे ही सोशल मीडिया पर सामने आईं, उनके डेटिंग की खबरें उड़नी शुरू हो गईं।

आमिर खान ने एक्टिंग से लिया रिटायरमेंट

9 अगस्त का दिन आमिर खान और उनके परिवार के लिए बेहद खास था। वो इसलिए, क्योंकि आमिर द्वारा प्रोड्यूस की फिल्म 'लापता लेडीज' सुप्रीम कोर्ट में दिखाई गई। इस दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ (धनंजय यशवंत चंद्रचूड़) संग आमिर और उनकी एक्स वाइफ किरण राव ने बातचीत की। बता दें कि फिल्म की स्क्रीनिंग इसलिए करवाई गई, क्योंकि ये जेंडर सेंसीटाइजेशन प्रोग्राम का हिस्सा थी। इसमें शीर्ष अदालत के कई जजेज ने भाग लिया था।

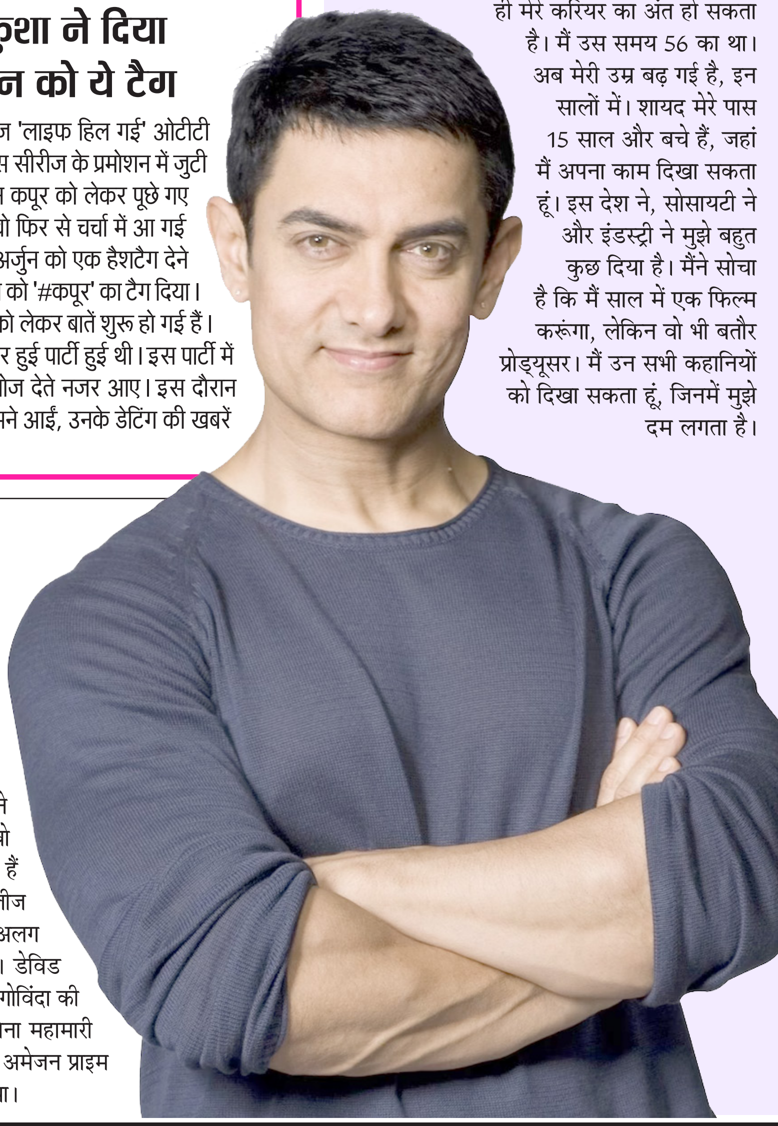

आमिर ने एक्टिंग से लिया रिटायरमेंट इस दौरान आमिर खान ने कहा- 'लापता लेडीज' को मैंने क्यों प्रोड्यूस किया? मैंने कोविड-19 के दौरान रिएलाइज किया कि शायद प्रोडक्शन ही मेरे करियर का अंत हो सकता है। मैं उस समय 56 का था। अब मेरी उम्र बढ़ गई है, इन सालों में। शायद मेरे पास 15 साल और बचे हैं, जहां मैं अपना काम दिखा सकता हूं। इस देश ने, सोसायटी ने और इंडस्ट्री ने मुझे बहुत कुछ दिया है। मैंने सोचा है कि मैं साल में एक फिल्म करूंगा, लेकिन वो भी बतौर प्रोड्यूसर। मैं उन सभी कहानियों को दिखा सकता हूं, जिनमें मुझे दम लगता है।

आमिर के लिए कहा जाता है कि वो लोगों को वही फिल्में दिखाते हैं, जिनमें एक स्ट्रॉन्ग मैसेज छिपा हो। आमिर ने कहा- मैं नई आवाजों और कहानियों को मौका देना चाहता हूं। प्रोडक्शन की मदद से मैं नए राइटर्स, डायरेक्टर्स और हर उस शख्स को मौका दे सकता हूं जो इस पूरी प्रक्रिया का हिस्सा है। डायरेक्शन में 'लापता लेडीज' मेरा पहला कदम है। मैं इस तरह के टैलेंट को आगे बढ़ाना चाहता हूं और सोच रहा हूं कि साल में 45 फिल्में प्रोड्यूस करने लगूं। इस तरह की और फिल्में हमें बनानी चाहिए और देखनी भी चाहिए। किरण राव ने कहा- फिल्म की कहानी बिप्लब गोस्वामी की एक स्क्रिप्ट से ली गई है। आमिर ने साल 2020 में स्क्रीन राइटर्स एसोसिएशन में भाग लिया था। वहां, इन्होंने ये कहानी सुनी और हम लोगों ने इस फिल्म के राइट्स खरीदने का सोचा। फिल्म इंडस्ट्री में बहुत तेजी से हम लोग बदलाव देख रहे हैं। जितना हो सकेगा, हम इस तरह की और कहानियां दिखाने की कोशिश जरूर करेंगे। बता दें कि 'लापता लेडीज' ओटीटी प्लेटफर्म पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म को ऑडियन्स से बहुत प्यार मिला था। पर इससे पहले थिएटर्स में ये आई थी। लोगों ने काफी पसंद किया।

थियेटर आओ और औकात दिखाओ: डेविड धवन

फिल्म मेकर डेविड धवन के नाम बॉलीवुड की कई हिट फिल्में शुमार हैं। कॉमेडी में रोमांस का तड़का लगाकर उन्होंने फिल्मों को नए आयाम पर पहुंचाया है। लेकिन अब डेविड काफी चूजी हो चुके हैं, वो सिलेक्टिव फिल्में ही बनाते हैं। अब ओटीटी का दौर है, लेकिन इससे डेविड बिल्कुल भी इम्प्रेस नहीं हैं। वो ओटीटी को महज एक दूसरा माध्यम समझते हैं, उनके लिए पहला प्यार आज भी थियेटर ही है। इसलिए तो वो ओटीटी एक्टर्स को चैलेंज करते दिखे। डेविड ने कहा है कि असली औकात तो थियेटर में ही दिखती है।

डेविड ने किया चैलेंज

फिल्म मेकर डेविड धवन ने अपने हाल ही के एक इंटरव्यू में ओटीटी एक्टर्स को चैलेंज तक दे डाला। वो सही मायने में मानते हैं कि थिएटर में फिल्म देखने का जादू खत्म नहीं हुआ है। डेविड के मुताबिक ओटीटी फिल्म मेकर्स के लिए एक सिक्योर प्लेटफॉर्म है, जिससे उन्हें मीडिया टेस्टिंग और बॉक्स ऑफिस रिजल्ट के दबाव से बचने की परमिशन मिलती है, लेकिन ये थिएटर के अनुभव की तुलना में कहीं स्टैंड नहीं करता है। डेविड ने अरबाज खान से बातचीत में कहा- थिएटर आओ और औकात दिखाओ। वो थियेटर फिल्म नहीं कर पाएंगे। लेकिन आखिर में आपकी तारीफ वही होती है, जो थियेटर से आती है। उन्होंने अपनी बात ये बताते साबित की कि एक जरूरी सीन के दौरान जब तालियों की गड़गड़ाहट होती है, लाइव बैठे दर्शकों के वो रिएक्शन से बढ़कर कुछ नहीं है। वैसा रिएक्शन आपको ओटीटी पर नहीं मिल सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वो दिल से थिएटर के शौकीन हैं और कोई भी मंच थिएटर रिलीज के दौरान मिलने वाली बेहद अलग एनर्जी को दोहरा नहीं सकता। डेविड धवन की लास्ट रिलीज फिल्म गोविंदा की कूली नं 1 की रिमेक को कोरोना महामारी की वजह से ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया गया था।

न्यूज़ ब्रीफ

रांची की जुमार नदी में डूबने से मनन विद्या मंदिर के छात्र की मौत

रांची। रांची की जुमार नदी में डूबने से एक छात्र पीयूष कुमार की मौत हो गयी है। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और शव को नदी से निकालने में जुट गयी। मृतक बूटी मोड़ स्थित मनन विद्या मंदिर का छात्र था। वह बिहार के गया का रहनेवाला था। स्कूल के हॉस्टल में ही रहता था। रांची की जुमार नदी में डूबने से मनन विद्या मंदिर के छात्र की मौत हो गयी है। ये घटना रविवार की है। पुलिस के अनुसार मृतक अपने चार-पांच दोस्तों के साथ अहले सुबह स्कूल के हॉस्टल से बाहर घूमने निकला था। सभी छात्र हॉस्टल से चोरी-चुपके बाहर जा रहे थे। उनके बाहर जाने की जानकारी किसी को नहीं थी। हॉस्टल प्रबंधन को भी इसकी भनक नहीं थी। इसी दौरान हादसा हो गया। इसकी खबर पुलिस को दी गयी। इसके बाद एनडीआरएफ टीम को इसकी जानकारी दी गयी।

नदी में नहाने के लिए उतरे सात युवक डूबे, पूरे गांव में छाया मातम

राजस्थान। भरतपुर से बड़ी ख़बर सामने आई है। यहां क्षेत्र के बाणगंगा नदी में नहाने गए एक ही गांव के 8 युवकों में से 7 की डूबने से मौत हो गई है। सभी युवक जिले के बयाना थाना इलाके के श्रीनगर गांव के रहने वाले थे। रविवार की सुबह नहाने के लिए सभी पास के बाणगंगा नदी आए थे। इस दौरान नहाने के क्रम में नदी के बीच गड्ढे में जाने से 7 युवक बह गए जबकि 1 किसी तरह बचकर बाहर निकल पाया। घटना की जानकारी के बाद स्थानीय लोगों ने युवकों की करीब 1 घंटे तलाशी की। जिसके बाद सभी 7 युवकों के शव बरामद किए गए हैं। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पंचायत समिति के विकास अधिकारी ने 2 शव को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल और 5 शव को झील का बाड़ा अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। इधर करौली जिले में गत 5 दिनों से जारी बारिश से शहर का अधिकांश इलाका जलमग्न हो गया है। इस बीच रविवार को जिले के डोलीखार मोहल्ले में मकान गिरने से पिता-पुत्र की दबने से मौत हो गई। तेज अवाज के साथ मकान गिरने के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने मलबे को हटाया और उसमें दबे लोगों को बाहर निकाला।

नेतन्याहू पर नए दुश्मन ने बोल दिया धावा, 24 घंटों में 10 ठिकानों पर मिसाइल अटैक

बेरूत। वाहमास के खिलाफ युद्ध में उलझे इजरायल पर उसके नए दुश्मन हिजबुल्लाह ने हमले तेज कर दिए हैं। रविवार को शिया आदोलन ने जानकारी दी कि लेबनान के हिजबुल्लाह ने पिछले 24 घंटों में इजरायली सेना के खिलाफ 10 युद्ध अभियान चलाए, जिसमें ऊपरी गलील में बस्तियों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमला भी शामिल है। इजरायल ने पिछले दिनों हिजबुल्लाह के कई कमांडरों को मौत की नींद सुलाया था। हिजबुल्लाह हमास चीफ इस्माइल हानियेह की मौत और अपने कमांडरों की मौत को लेकर इजरायल से बदला लेने के लिए छटपटा रहा है। हिजबुल्लाह के बयानों के अनुसार, लेबनान-इजरायल सीमा पर कई दृश्य नियंत्रण प्रणालियों को नष्ट कर दिया गया और चार इजरायली सेना के ठिकानों पर मिसाइल हमले किए गए। सार क्षेत्र में, एक निर्देशित मिसाइल ने इजरायली सैन्य कर्मियों पर हमला किया। इसके अलावा शुक्रवार शाम को, हिजबुल्लाह ने सफ़ेद शहर के दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक उत्तरी सैन्य रसद अड्डे पर हमला करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया।

बाढ़ के समंदर में समाई इनोवा कार

9 लोगों की मौत, दो लापता, हिमाचल से आ रहे थे

एजेंसी | होशियारपुर

पंजाब-हिमाचल के सीमावर्ती इलाके होशियारपुर के जेजो दोआबा में बड़ा हादसा हुआ है। यहां भारी बारिश के चलते उफनाए खड्ड में इनोवा कार के बह जाने से इसमें सवार नौ लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो लोगों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है और एक लापता की तलाश अब भी जारी है। अब तक 9 लोगों की लाशें मिल चुकी हैं। नवांशहर पुलिस ने मृतकों के शवों को अपने कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। ये लोग हिमाचल प्रदेश के रहने वाले थे। यह लोग हिमाचल से पंजाब के नवांशहर बारात में जा रहे थे।

बहाव तेज होने के कारण हुआ हादसा

होशियारपुर के एसएसपी सुरेंद्र लांबा ने बताया है कि रविवार को सुबह से भारी बारिश हो रही थी। इस कारण खड्ड में बाढ़ आ गई। ये लोग हिमाचल से पंजाब के नवांशहर बारात में आ रहे थे। सभी लोग एक ही परिवार के हैं। जिस वक्त कार सड़क से गुजर रही थी, तब खड्ड का पानी सड़क के ऊपर से चल रहा था। ड्राइवर ने सोचा गाड़ी पार हो जाएगी, लेकिन अचानक बहाव तेज हो गया और इनोवा कार बाढ़ में बहने लगी। स्थानीय ग्रामीणों ने चीख-पुकार सुनी तो इनोवा में फंसे लोगों को निकालने का प्रयास करने लगे।

लोगों ने एक बच्चे को बचा लिया

लोगों ने जेसीबी मंगाकर लोगों को रेस्क्यू करना शुरू किया। इस दौरान लोगों ने एक बच्चे को बचा लिया। लेकिन गाड़ी में सवार बाकी लोग गाड़ी का दरवाजा न खुलने के कारण बाढ़ में बह गए। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एनडीआरएफ की टीम को बुलाया। टीम के आने के बाद लापता लोगों की तलाश शुरू की। इस तलाश में अब तक 9 लोगों की लाशें मिल चुकी हैं। बाकी लापता लोगों के लिए खड्ड में तलाशी अभियान जारी है।

दुखद घटना के बाद देहलां गांव में दौड़ गई शोक की लहर

हादसे में दीपक भाटिया पुत्र सुरजीत भाटिया (देहलां निवासी), सुरजीत भाटिया पुत्र गुरदास राम, परमजीत कौर पत्नी सुरजीत भाटिया, सरूप चंद, मासी बिंदर, शिन्नो, भावना (18 वर्ष), दीपक भाटिया की पुत्री अंजू (20 वर्ष), दीपक भाटिया की पुत्री हरमीत (12 वर्ष), दीपक भाटिया का पुत्र शामिल हैं। इस दुखद घटना के बाद देहलां गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिवारवाले गहरे शोक में डूब गए हैं। हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि हादसे की सूचना मिलते ही हमने तुरंत अधिकारियों को मौके पर भेज दिया। सर्च और बचाव अभियान निरंतर जारी है और हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं ताकि सभी फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। हमें इस घटना का बहुत खेद है। होशियारपुर के सांसद डॉ। राजकुमार चब्बेवाल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि पानी का बहाव तेज होने के कारण यह हादसा हुआ है।

चिराग पर प्रशांत किशोर की नजर ?

PK ने बताया बिहार चुनाव में किससे होगी जनसुराज की टक्कर

एजेंसी | पटना

बिहार विधानसभा की तैयारी में सभी दलें अब जुटने लगी हैं। एनडीए और महागठबंधन की भी अपनी-अपनी तैयारी शुरू हो रही है। बिहार में लड़ाई तो एनडीए और महागठबंधन की ही आमने-सामने होती है लेकिन इसबार के मुकाबले को लेकर प्रशांत किशोर यानी PK भी सुर्खियों में बने हुए हैं। अपनी पार्टी जनसुराज बनाकर उम्मीदवारों को प्रशांत किशोर मैदान में उतारेंगे। उन्होंने अपना दावा करते हुए बताया है कि इस बार बिहार में असली टक्कर किसके बीच होगी। जन सुराज के संस्थापक और पदयात्रा अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में जन सुराज और एनडीए के बीच सीधी टक्कर होगी। राजद कोई फैक्टर नहीं होगा और जन सुराज जीतेगा। उन्होंने कहा कि एनडीए का एक टायर नीतीश कुमार हैं, जिनकी जदयू पहले से ही पंक्चर है। जो दो चार छोटे-छोटे दल उनके स्टेपनी हैं, वे भाजपा को कितना खींच पाएंगे? उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा कि हमें बताएं कि राजद ने बिहार में अकेले कब चुनाव जीता था? 1995 के बाद कांग्रेस की स्टेपनी पर राजद चल रहा है। फिर जदयू के सहारे जीता।

चिराग पासवान की भूमिका पर भी बोले

प्रशांत किशोर ने मीडिया की तरफ इशारा कर कहा कि उन लोगों को कहना है कि राजद बहुत बड़ा दल है, कौन-सा बड़ा दल है? 2010 में 22 सीटें राजद को आयी थीं। 2015 में तो हम लोग मदद किये थे और पिछले चुनाव में चिराग पासवान खड़े नहीं होते, तो फिर से राजद तीस-बत्तीस सीट पर सिमट जाता। प्रशांत किशोर ने कहा है कि राजद के लालटेन से किरासन तेल (मुस्लिम समाज) तेजी से निकल रहा है, जिससे अगले चुनाव में राजद का लालटेन तो बुझेगा ही भाजपा का भी अहंकार चूर होगा और जन सुराज सरकार बनायेगा। बता दें कि प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज अब अपनी तैयारी में जुट गयी है। जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर करीब दो साल से बिहार के विभिन्न जिलों में पदयात्रा कर रहें हैं।

छह दिन चला सत्र, विधायकों को 10 दिन का मिलेगा भत्ता

एजेंसी | रांची

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान भत्तों के भुगतान के लिए विधायकों का आवेदन विधानसभा सचिवालय को मिलना शुरू हो गया है। 26

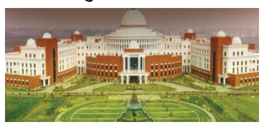

जुलाई से दो अगस्त तक चले विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान केवल छह दिन बैठकें चली। परंतु विधायकों को इसके लिए 10 दिन का भत्ता मिलेगा। विधायकों की ओर से 10 दिन के भत्ते की दावेदारी में अवैध कुछ भी नहीं है। लेकिन सत्र शुरू होने के दिन से लेकर सत्रावसान के दिनों का फेर कुछ इस तरह रखा जाता है कि विधायकों को अधिक से अधिक भत्ता पाने का लाभ दिलाय़ा जा सके। इसमें नियम और कायदों का कहीं उल्लंघन तो नहीं होता है, पर पूरी प्रणाली पर नैतिकता का सवाल जरूर उठता है। झारखंड विधानसभा (संभवतः दूसरी विधानसभाओं की भी) की व्यवस्था है कि विधानसभा सत्र शुरू होने के एक दिन पहले और समाप्त होने के एक दिन बाद तक के लिए तय प्रतिदिन के हिसाब से विधायकों को भत्ते का भुगतान किया जाता है। खेल इसी में छिपा है।

विधानसभा का मानसून सत्र 26 जुलाई से शुरू हुआ। उस दिन शुक्रवार था। हाल ही में दुनिया छोड़ गई बड़ी हस्तियों की याद में शोक व्यक्त कर सामान्य परिपाटी के मुताबिक विधानसभा की कार्यवाही समाप्त कर दी गई। 27 जुलाई को शनिवार और 28 जुलाई को रविवार था। दोनों दिन सामान्य परिस्थितियों में विधानसभा की बैठकें नहीं होती हैं। 29 जुलाई को सोमवार से दो अगस्त को शुक्रवार तक बैठकें हुईं। विधायकों को भत्ता 25 जुलाई से तीन अगस्त तक का मिलेगा। अगर विधानसभा का सत्र 26 जुलाई को शुक्रवार के दिन की बजाय 29 जुलाई को सोमवार से शुरू होता तो विधायकों को दो दिन का कम भत्ता मिलता। वैसे भी 27 जुलाई और 28 जुलाई को शनिवार और रविवार होने के कारण विधानसभा का सत्र नहीं ही चलना था।

सात दिनों के अंदर रेपिस्ट का हो एनकाउंटर या मिले फांसी

बंगाल डॉक्टर मर्डर केस में अभिषेक बनर्जी का आया बयान

एजेंसी | कोलकाता

आरजी कर मेडिकल कालेज में ड्यूटी के दौरान युवा डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना में टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी दोषियों को कठोर से कठोर सजा देने की बात कही है। उन्होंने यह भी मांग की कि जल्द सुनवाई पूरी कर अपराधी को एनकाउंटर या फांसी की कड़ी सजा दी जाए। सांसद अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को डायमंड हार्बर में प्रशासनिक बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और घिनौना बताया और कहा कि दोषियों को कठोर से कठोर सजा दी जाए।

सात दिनों में मिले न्याय

अभिषेक ने कहा कि जिन लोगों ने ऐसा कृत्य किया हो उन्हें जीने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन हमारे देश का कानून और न्याय व्यवस्था ऐसी है कि हमारे हाथ-पैर बंधे हुए हैं। यदि ऐसा कोई अपराध किया जाता है, तो अपराधी पर सात दिनों के भीतर मुकदमा चलाया जाना चाहिए और या तो सजा दी जानी चाहिए या फांसी पर लटका दिया जाना चाहिए।

अध्यादेश लाए केंद्र सरकार

टीएमसी नेता ने देश की कानून और न्याय व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा को अध्यादेश लाना चाहिए। ऐसे मामलों में सुनवाई सात दिनों में पूरी होनी चाहिए। अगर इसे लाया जाता है तो तृणमूल, कांग्रेस, माकपा सभी को उस विधेयक का समर्थन करना चाहिए।

सजा ऐसी हो, जो बने उदाहरण

उधर, मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि अगर घटना की जांच के लिए राज्य सरकार पर भरोसा नहीं है तो इसकी जांच किसी अन्य एजेंसी से करायी जा सकती है। इस संदर्भ में अभिषेक ने कहा कि क्या सीबीआइ जांच के बाद लड़की वापस आएगी? क्या कोई कह सकता है कि यह घटना दोबारा नहीं दोहराई जाएगी? केवल अनुकरणीय दंड की बात करना आवश्यक नहीं है। एक उदाहरण तो बनना ही चाहिए।

डूबी राजधानी, तैरते दिखे लोग

घरों, अस्पतालों और सरकारी दफ्तरों में भी घुस गया पानी

एजेंसी | पटना

चंद घंटों की बारिश से ही बिहार की राजधानी पटना तैरती नजर आयी। शनिवार की रात हुई बारिश के बाद रविवार को पटना के विभिन्न इलाकों में बाढ़ का नजारा दिखा। पटना का शायद ही ऐसा कोई इलाका बचा हो जहां बाढ़ का पानी नहीं जमा था। पटना की कई सड़कें जहां एक तरफ जलमग्न रहीं तो वहीं दूसरी तरफ कई घरों, अस्पतालों और सरकारी दफ्तरों में भी पानी घुस गया।

पटना में गंगा नदी विकराल रूप दिखा रही है। कई जगहों पर गंगा नदी खतरे के लाल निशान के ऊपर बह रही है। गंगा के जलस्तर के बढ़ने से बिंद टोली में गंगा का पानी घुस चुका है।

पटना का राजधानी मार्केट, खेतान मार्केट, एसके पुरी, दरियापुर बाड़ी पथ और राजीव नगर समेत कई इलाकों में सड़कें जलमग्न नजर आईं। राजधानी पटना में लोगों के घरों में पानी घुस जाने की वजह से लोग अपने-अपने घरों में कैद हो गए हैं।

कई लोगों का कहना है कि उनके इलाके में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। घरों के अंदर बने पार्किंग में खड़ी गाड़ियां डूबी नजर आईं। पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने पूर्वानुमान जताया है कि बिहार के 11 जिलों में अधिकांश जगहों पर तेज बारिश हो सकती है।

बस एक द्वीप के कारण बांग्लादेश में आया तूफान

अमेरिका पर शेख हसीना ने लगाया बड़ा आरोप

एजेंसी | कोलकाता

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अमेरिका पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका उन्हें सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने सेंट मार्टिन द्वीप पर नियंत्रण छोड़ने से इनकार कर दिया था। हसीना का दावा है कि इससे अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभाव बढ़ाने में सफलता मिल जाती। उन्होंने बांग्लादेशी नागरिकों को कट्टरपंथियों के बहकावे में आने से बचने की सलाह दी है। वर्तमान में हसीना भारत में हैं। रिपोर्ट में इस संबंध में खबर प्रकाशित की गई है। खबर के अनुसार, अपने करीबी सहयोगियों के माध्यम से भिजवाए एक मैसेज में शेख हसीना ने कहा कि मैंने इस्तीफा देने का फैसला किया। मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मुझे शवों का जुलूस नहीं देखना था। वे छात्रों की लाश की बदौलत सत्ता में आने का मन बना चुके थे, लेकिन मैंने इसकी अनुमति नहीं दी। मैंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

मैं सत्ता में बनी रह सकती थी लेकिन..: शेख हसीना

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आगे कहा कि मैं सत्ता में बनी रह सकती थी। ऐसा तब होता जब सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता अमेरिका के सामने मैं रख देती। मेरे ऐसा करने के बाद अमेरिका को बंगाल की खाड़ी में अपना प्रभुत्व स्थापित करने की आजादी मिल जाती। उन्होंने कहा कि मैं अपने देश के लोगों से विनती करता हूं, कृपया कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं। हिंसा न फैलाएं। प्रकाशित खबर में शेख हसीना के हवाले से कहा गया है कि यदि मैं देश में रहती तो और अधिक जानमाल का नुकसान होता। मैंने देश छोड़ने का बहुत ही कठोर निर्णय लिया ताकि जनता की जान का नुकसान न हो। मैं आपकी नेता बनी क्योंकि आपने मुझे चुना। जनता ही मेरी ताकत है। खबर सुनकर मेरा दिल रो रहा है कि मेरी पार्टी आवामी लीग के कई नेताओं की हत्या कर दी गई है। कार्यकर्ताओं को परेशान किया जा रहा है और उनके घरों में तोड़फोड़ की जा रही है। अल्लाह की रहमत से मैं जल्द ही वापस लौटूंगी। अवामी लीग चुनौतियों से लड़कर बार-बार खड़ी हुई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहा अत्याचार

असम में हिंदू सुरक्षा वाहिनी ने निकाली रैली

एजेंसी | गुवाहाटी

असम की राजधानी गुवाहाटी में जिला मुख्यालय पर गुवाहाटी हिंदू सुरक्षा वाहिनी नामक संगठन के सदस्यों ने रविवार को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर कथित अत्याचार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और रैली निकाली। रैली में करीब 1,000 लोगों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को हटाने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। संगठन के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि हम भारत सरकार से मांग करते हैं कि वह बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार से बात करके हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे। प्रदर्शनकारी बांग्लादेश चलो के नारे लगा रहे थे और हाथों में तख्तियां और बैनर लिए हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बंद होना चाहिए।

करीमगंज सीमा की गई सील

करीमगंज जिला प्रशासन ने प्रदर्शन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए जगह-जगह बैरिकेड्स लगा दिए हैं और सुरक्षा बढ़ा दी है। करीमगंज की सीमा बांग्लादेश से 110 किलोमीटर लंबी है। इसमें करीब चार किलोमीटर लंबी नदी सीमा भी शामिल है। जिसके जरिए भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार होता है। बांग्लादेश में कथित तौर पर हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ असम में लगातार आवाजें उठ रही हैं। बीते कल भी राजधानी में इसी तरह का प्रदर्शन हुआ था।

बांग्लादेश हिंसा से मेघालय के गांव में क्यों बढ़ी चिंता?

रात भर निगरानी कर रहे ग्रामीण, BSF की निगरानी में खेल रहे बच्चे

एजेंसी | शिलांग

बांग्लादेश में शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और उनके देश छोड़ने के बाद फैली अशांति से मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा से कुछ मीटर दूरी पर बसे एक गांव के लोग सीमा पार से घुसैपठ की आशंका को लेकर काफी चिंचित हैं। रिपोर्ट के अनुसार ईस्ट खासी हिल्स जिले के लिंगखॉन्ग गांव के लोग बांग्लादेश को उनके गांव से अलग करने वाली बांस की बाड़ को मजबूत करने में लगे हैं और रात भर जागकर निगरानी तक कर रहे हैं।

बीएसएफ ने बढ़ाई चौकसी

इस गांव की निवासी 42 वर्षीय डेरिया खोंग्सदिर ने चिंता जाहिर करते हुए कहा, 'पांच अगस्त को जब बांग्लादेश में हिंसा की घटनाएं बढ़ीं तो उस समय हम काफी चिंतित थे और रातभर सो नहीं पाए। हमें डर था कि बांग्लादेश में हमारे पड़ोसी हिंसक हो सकते हैं। राहत की बात रही कि बीएसएफ ने अपनी चौकसी बढ़ा दी तथा गांव में स्थित अपनी चौकी में और अधिक जवानों को तैनात कर दिया।' उन्होंने कहा, 'साथ ही गांव के रक्षा दल और हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी रात जागने वाले लोगों को भी तैनात कर दिया गया।' डेरिया ने कहा, 'हमारी सुरक्षा के लिए एकमात्र यह बांस की बाड़ है। इससे गांव के स्तर पर छोटे-मोटे अपराधों को रोकने में मदद मिली है, लेकिन गंभीर स्थिति में यह कारगर होगी या नहीं, इसका कुछ नहीं कह सकते।' ग्रामीणों ने अब बाड़ को मजबूत करने के लिए नए बांस लगाने शुरू कर दिए हैं। लिंगखॉन्ग जीरो लाइन से 150 गज के दायरे में आता है और नियमों के अनुसार 150 गज के बाद ही कांटेदार तार की बाड़ लगाई जा सकती है

ग्रामीणों ने सीमा पर बनाया बांस का बाड़

इस गांव में 90 से अधिक लोग रहते हैं, जिन्होंने सीमा पार से होने वाले मामूली अपराधों को रोकने के लिए कोविड महामारी के दौरान सीमा पर बांस की एक पतली बाड़ लगा दी थी। लिंगखॉन्ग, मेघालय के उन क्षेत्रों में से एक है, जहां भूमि सीमांकन संबंधी मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ या जीरो लाइन के 150 गज के भीतर बस्तियों के होने के कारण सीमा बाड़ का निर्माण नहीं किया जा सका। गांव पर नजर डालें तो पता चलेगा कि यहां अधिकतर घर अंतरराष्ट्रीय सीमा के बेहद करीब हैं और यहां का एकमात्र फुटबॉल मैदान जीरो लाइन पर है, जहां बच्चे हर समय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की निगरानी में खेलते हैं।

एमपी में विमान दुर्घटनाग्रस्त

इंजन फेल होने के कारण हादसा, दो पायलट घायल

एजेंसी | गुना

गुना में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। शा-शिब अकादमी का एक टू-सीटर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान परीक्षण उड़ान पर था जिसे दो पायलट उड़ा रहे थे। करीब 40 मिनट तक हवा में रहने के बाद विमान में खराबी आई जिसके बाद लैंडिंग के दौरान यह हादसे का शिकार हो गया। इस हादसे में दोनों पायलट घायल हो गए हैं। दोनों को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि विमान कुछ दिन पहले परीक्षण के लिए यहां पहुंचा था।

40 मिनट तक हवा में रहने के बाद दुर्घटनाग्रस्त

रिपोर्ट के मुताबिक, गुना जिले में रविवार को एक निजी विमानन अकादमी का विमान हवाई पट्टी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में दो पायलट घायल हो गए। गुना कैंट पुलिस थाने के प्रभारी दिलीप राजोरिया ने बताया कि दो सीटों वाला सेसना 152 विमान 40 मिनट तक हवा में रहने के बाद हादसे का शिकार हुआ। संभवत: इंजन में खराबी के कारण यह विमान दोपहर करीब डेढ़ बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार दो पायलट घायल हो गए।